मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 41
भोपाल, शुक्रवार
28 मार्च 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 गर्म हवाओं से बढ़ा तापमान, ग्वालियर-भोपाल में 39 डिग्री...

सीएसके से आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद 06

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना असंगठित श्रमिकों को सौगात

सीएम डॉ. यादव श्रमिक परिवारों के खातों में ट्रांसफर करेंगे 505 करोड़ रुपए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को सिंगल क्लिक के माध्यम से श्रमिक परिवारों को संबल योजना के तहत 505 करोड़ रुपये का अंतरण करेंगे। यह राशि 23,162 प्रकरणों में विभिन्न श्रमिकों के खातों में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में यह राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और अन्य मंत्री एवं जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना असंगठित श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत विभिन्न प्रकार की सहायता दी जाती है, जैसे कि दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रुपये, स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये, आंशिक अपंगता पर 1 लाख रुपये और अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रुपये। महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रुपये दिए जाते हैं और श्रमिकों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा का पूरा शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

इसके अलावा, गिग वर्कर्स को भी इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है, और उन्हें संबल योजना के लाभ मिल रहे हैं। संबल योजना में श्रमिकों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी मिलती है, जिसके माध्यम से वे रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना में श्रमिकों को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है, और यह राज्य की एक महत्वपूर्ण योजना बन गई है। आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत संबल हितग्राही अब 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क चिकित्सा लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं।

राजभवन में कर्मयोगी बनें विषय पर कार्यशाला

राज्यपाल मंगुभाई पटेल की उपस्थिति में राजभवन में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि चिंतन पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला कर्मयोगी बनें का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आवश्यक है कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नेतृत्व-विधाओं को संयोजित कर उपयोग किया जाए।

मारे गए आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटा संगठन पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट के

जम्मू के कठुआ में भीषण मुठभेड़ 5 आतंकी ढेर, 4 जवान शहीद

कठुआ ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले सुदूर जंगली इलाके में गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुआ। इस मुठभेड़ में जैश के 5 आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। वहीं, चार जवान बलिदान हो गए हैं और डीएसपी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें एक पैरा कमांडो भी शामिल है। ये सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के मुखौटा संगठन पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट के बताए जा रहे है। वीरवार सुबह से देर शाम तक रुक-रुक कर दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही। अंधेरे होते ही अभियान रोक दिया गया था।

बताया जा रहा कि ये वही आतंकी हैं, जो गत रविवार को हीरानगर के सन्याल गांव में देखे गए थे, जिन्हें पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक राजबाग के घाटी जुथाना इलाके के जखोले गांव में सुरक्षाबलों को करीब 9 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरने के लिए जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया।

मुठभेड़ में बलिदान हुए तीन जवान एसओजी का हिस्सा थे, डीएसपी समेत 5 जवान हुए घायल

सेना का संयुक्त ऑपरेशन जारी

सेना, बीएसएफ, पुलिस व सीआरपीएफ के जवान इस ऑपरेशन में जुटे हैं। मुठभेड़स्थल पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती है ताकि आतंकियों को भागने का मौका न मिल सके। हेलीकॉप्टर, यूएवी, ड्रोन, डॉग स्क्वॉयड की मदद ली जा रही है। सुबह आठ बजे हीरानगर के राजबाग क्षेत्र के जुथाना के अंबानाल में एक ग्रामीण ने हथियारों से लैस पांच आतंकियों को देख पुलिस को जानकारी दी। ये आतंकी बिलावर की तरफ निकल रहे थे। कुछ ही देर में पुलिस की टुकड़ी मौके पर पहुंच गई। 9 :15 बजे तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने खुद को घिरा देख गोलीबारी शुरू कर दी। डीएसपी व अन्य जवान मुठभेड़स्थल पर फंस गए और सुरक्षाबल पहुंचने के बाद डीएसपी को घायल हालत में सुरक्षित निकाला गया। साथ ही सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई तेज कर दी।

23 मार्च से चल रहा है एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन

23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में आतंकवादियों के एक ग्रुप को सुरक्षाबलों ने घेर लिया था, लेकिन वे भागने में कामयाब रहे। माना जा रहा है कि ये वही आतंकवादी हैं, जो सान्याल से निकलकर जखोले गांव के पास देखे गए।

आतंकियों ने एक परिवार को बंधक बनाया, लेकिन वे बच निकले

23 मार्च को कठुआ के हीरानगर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक ग्रुप को घेर लिया था। उस दिन आतंकियों ने एक बच्ची और उसके माता-पिता को पकड़ लिया था। मौका मिलने पर तीनों आतंकियों के चंगुल से भाग निकले थे। इस दौरान बच्ची की मामूली चोटें आई थीं।

मध्यप्रदेश में 5वीं और 8वीं बोर्ड के परिणाम घोषित

कक्षा 5वीं में 92.70 और 8वीं में 90.02 फीसदी विद्यार्थी उत्तीर्ण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के परिणाम आज दोपहर 1 बजे जारी कर दिए गए। राज्य शिक्षा केंद्र संचालक हरजिंदर सिंह ने परीक्षा पोर्टल पर रिजल्ट बटन दबाकर परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस वर्ष कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 92.70 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के 90.97 प्रतिशत से बेहतर है। इसी तरह, कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 90.02 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के 87.71 प्रतिशत की तुलना में अधिक है। कक्षा 5वीं में बालिकाओं के पास होने का प्रतिशत 94.12 प्रतिशत और बालकों का 91.38 प्रतिशत रहा। वहीं, कक्षा 8वीं में बालिकाओं का पास होने का प्रतिशत 91.72 प्रतिशत और बालकों का 88.41 प्रतिशत रहा।

कक्षा 5वीं के परिणामों में शहडोल, चंबल, नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, सागर और भोपाल शीर्ष पर हैं। वहीं, कक्षा 8वीं के परिणामों में शीर्ष 10 जिले में नरसिंहपुर, अलीराजपुर, रीवा, झाबुआ, बालाघाट, अनूपपुर, सीहोर, डिंडोरी, बड़वानी और मंदला हैं। छात्र अपना परीक्षा परिणाम राज्य शिक्षा केंद्र की वेबसाइट पर देख सकते हैं। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह के अनुसार, विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक राज्य शिक्षा केंद्र के आधिकारिक पोर्टल पर अपने रोल नंबर/समग्र आईडी के माध्यम से परिणाम देख सकेंगे। शिक्षकों और संस्था प्रमुखों के लिए शाला-स्तरीय परिणाम भी इसी पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र के वेब पोर्टल पर देख सकते हैं रिजल्ट

इतने बच्चे हुए थे शामिल

दोनों कक्षा की परीक्षा 24 फरवरी से 5 मार्च के बीच हुआ था। जिनमें प्रदेश के प्राइवेट और सरकारी स्कूल, पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं में 11 लाख 17 हजार से अधिक और कक्षा 8वीं के 11 लाख 68 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। कुल 22 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केंद्र बनाए गए थे। जहां 1 लाख 19 हजार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं ने अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की है।

म्यांमार में तेज भूकंप, 12 मिनट में दो बार कांपी धरती

नई दिल्ली। म्यांमार के एक के बाद एक भूकंप के दो तेज झटके महसूस किए गए हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के ये झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आ गए और अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए। पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई। भूकंप के झटके थाईलैंड तक महसूस किए गए। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.2 और 7.0 रही। दोनों ही भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था। कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि म्यांमार में रुक-रुककर लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं।

अंतर्मना उवाच

बिलासपुर जिला रामपुर (उप्र) में प्रकृति के समक्ष प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

मजाक और पैसा - सोच समझ कर उड़ाना चाहिए.. और धर्म-ध्यान-भक्ति को साहस के साथ करना चाहिए..!

*धर्म-ध्यान और भक्ति के मार्ग में साहस की आवश्यकता है, क्योंकि **भक्ति, धर्म - ध्यान** - कमजोर, बुजदिल और डरपोक लोग नहीं कर सकते।*

- ***भक्ति का अर्थ है** - अपने आपको मिटाना।*
- ***धर्म का अर्थ है** - मन की सरलता, चित्त की निर्मलता और हृदय की पवित्रता।*
- ***ध्यान का अर्थ है** - स्वयं में स्वयं को देखना।*
- ***ध्यान का अर्थ है** - साहस, समर्पण और संकल्प। **भक्ति** समर्पण मांगती है। **ध्यान** - मैं को मिटाता है।*
- ***धर्म** - निश्छलता प्रदान करता है और जीवन के सभी दोषों को दूर करता है। **धर्म** - दोषों को दूर करने में संघर्ष करना सिखाता है।*
- ***धर्म ध्यान** - जीवन की बुराईयों से मुक्त करके शुद्ध करता है। क्योंकि जीवन में सम्पूर्ण बुराईयों की जड़ है तो वह जड़ है अहंकार।*

*क्योंकि - **यदि कभी आपने क्रोध भी किया तो वह अहंकार के कारण से किया...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

भड़काऊ गाने मामले में इमरान प्रतापगढ़ी को राहत

बोलने की आजादी लोकतंत्र का अभिन्न अंग

नईदिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने भड़काऊ गाने के मामले में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र का अभिन्न अंग है। ऐसे ही नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना अदालत का कर्तव्य है। यह सुनिश्चित करना भी अदालत का कर्तव्य है कि संविधान के आदर्शों का उल्लंघन न हो। कोर्ट ने कहा कि कविता, नाटक, फिल्म, व्यंग्य, कला सहित साहित्य मनुष्य के जीवन को अधिक सार्थक बनाता है। पीठ ने कहा कि भले ही बड़ी संख्या में लोग किसी दूसरे के विचारों को पसंद न करते हों, लेकिन विचारों को व्यक्त करने के व्यक्ति के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए।

यह भी बोला सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विचारों और दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत गरिमापूर्ण जीवन जीना असंभव है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा व्यक्त किए गए विचारों का विरोध दूसरे दृष्टिकोण को व्यक्त करके किया जाना चाहिए। भले ही बड़ी संख्या में लोग दूसरे द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को नापसंद करते हों, लेकिन व्यक्ति के विचार व्यक्त करने के अधिकार का सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए।

अस्पताल प्रबंधन पर बड़ी लापरवाही का आरोप

पैदा हुआ बेटा, थमा दी बेटी... अब डीएनए परीक्षण से होगा फैसला

टीकमगढ़ ■ अमृत दर्शन

यहां अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगा है। बेटा पैदा होने की खबर दी गई लेकिन नर्सों ने बेटी थमा दी। जिले के जतारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार दोपहर का है। जहां से नवजात बदलने का मामला सामने आया है। विजयपुर निवासी रामा अहिरवार (सास) ने आरोप लगाए हुए कहा कि, उनकी बहू की डिलीवरी में बेटा हुआ था, लेकिन नर्सों ने उन्हें बेटी दे दी। स्वास्थ्य केंद्र में एक साथ दो महिलाओं की डिलीवरी हुई। जिसमें अब रामा अहिरवार के परिवार का आरोप है कि नर्सों ने जानबूझकर उनका नवजात बदल दिया। परिजनों के हंगामे के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। इसके

बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया है। लेकिन जब बेटी वाला पक्ष नहीं माना तो पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच करना शुरू किया है। जतारा थाना प्रभारी नन्हे सिंह ठाकुर ने बताया कि, अस्पताल का वीडियो दिखाया जा रहा है। जिससे वे संतुष्ट हो सके। जरूरत पड़ी तो डीएनए टेस्ट भी कराएंगे। फिलहाल पीड़ित परिवार को सीसीटीवी वीडियो दिखाकर समझाया जा रहा है।

अब सागर में पुलिस टीम पर पथराव

वारंटी को पकड़ने गई जवानों पर बदमाशों ने बोला हमला

सागर ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में पुलिस पर हमले की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। सागर जिले के सुरखी थाना क्षेत्र में गुरुवार रात वारंटियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर पथराव का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया जिससे टीम में शामिल 2 पुलिसकर्मी घायल हुए है। घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा खुद सुरखी गांव पहुंचे। गांव में भारी पुलिस बल तैनात है।

दरअसल सुरखी थाना क्षेत्र के महुआखेड़ा गांव निवासी एक ही परिवार के कुछ लोगों ने खिलाफ वारंट जारी हुआ था। थाने के प्रधान आरक्षक

प्यारेलाल और आरक्षक वीरेंद्र आरोपियों को पकड़ने महुआखेड़ा गांव गए थे जहां आरोपियों और उनके परिजनों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। पथराव में प्रधान आरक्षक प्यारेलाल को सिर में चोट पहुंची है वहीं आरक्षक ब्रजेंद्र के सिर और हाथ में चोट आई है। रात करीब 11 बजे घायल जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टर्स ने उनकी एमएलसी की। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल भेजा गया है।

राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर सपा सांसद के बयान पर बवाल

रामजी सुमन और खरगे की माफी पर अड़ी भाजपा

नईदिल्ली ■ एजेंसी

संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। भाजपा ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन की राणा सांगा को लेकर की गई टिप्पणी पर विरोध किया। भाजपा सांसदों ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा। भाजपा का आरोप है कि खरगे मामले को जाति से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपाा ने मांग की है,जब तक रामजी सुमन और विपक्ष के नेता खरगे मामले में माफी नहीं मांगते, तब तक कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कह दिया था। इस पर शुरू हुआ बवाल अब भी थमता नहीं दिखाई दे रहा है। उनकी बाबर और राणा सांगा को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था कि वे भाजपा के तमाम नेताओं के निशाने पर आ गए थे। भाजपा ने रामजी लाल सुमन से मांगी की मांग की है। भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के राजपूत राजा राणा सांगा पर दिए गए बयान का मुद्दा उठाया। इससे बाद ही राज्यसभा में हंगामा शुरू हुआ। भाजपा सांसद ने कहा, जब तक कांग्रेस और रामजी सुमन माफी नहीं मांग लेते, हम इस मुद्दे पर समझौता नहीं करेंगे।सपा सांसद के इस बयान पर दिल्ली से उत्तर प्रदेश तक सियासी हलकों में हंगामा हो गया। भाजपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बयान की निंदा की।

भाजपा सांसदों की नारेबाजी के बाद कार्रवाही स्थगित

इस पर खरगे ने जवाब देते हुए कहा कि राणा सांगा हो या महाराणा प्रताप सभी नायक बहुत सम्मानीय व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि उनकी आपत्ति हिंसा के इस्तेमाल पर है, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। इस पर सुमन बोलने के लिए उठे, लेकिन भाजपा सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। धनखड़ ने कहा कि सुमन ने जो कहा है वही रिकॉर्ड में दर्ज होगा, लेकिन नारेबाजी बंद नहीं हुई और उन्हें कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

मल्लिकार्जुन खरगे ने दिया जवाब

इस बीच विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह और उनकी पार्टी उन सभी देशभक्तों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी और अपनी जान कुर्बान की, लेकिन किसी को भी कानून और व्यवस्था को अपने हाथ में लेने और एक सांसद के घर में घुसकर तोड़फोड़ करने का अधिकार नहीं है।

जस्टिस यशवंत वर्मा कैशकांड केस

सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की पीठ आज करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के बंगले पर कैश मिलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी। याचिका में दिल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

याचिका एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा ने दायर की है। सुप्रीम कोर्ट कॉज लिस्ट के मुताबिक मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच सुनवाई करेगी। याचिका में 34 साल पुराने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा तीन जजों की जांच समिति बनाने का कोई औचित्य नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

हिंदू एकता और सशक्तिकरण के लिए संघ चलाएगा बड़ा अभियान

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने वैभवशाली भारत के निर्माण के लक्ष्य को लेकर हिंदू समुदाय की एकजुटता और सशक्तिकरण के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह जानकारी संघ के दक्षिण बंगाल सह प्रचार प्रमुख जिष्णु बसु ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में दी। इस मौके पर संघ के दक्षिण बंगाल के संघचालक जयंत पाल भी मौजूद थे। बसु ने बताया कि बीते 22 और 23 मार्च को बेंगलुरु में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में लगभग 1500 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में विशेष रूप से बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों और उन्हें अस्तित्वहीन करने के प्रयासों पर रोक लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि संघ इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के समक्ष उठाएगा, ताकि बांग्लादेश के हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। संघ ने यह भी निर्णय लिया है कि भारतीय परिवार व्यवस्था को मजबूत करने के लिए देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पश्चिम बंगाल के ग्रामीण इलाकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जात-पात मुक्त समाज और सामाजिक समरसता के लिए संघ लगातार काम कर रहा है और इस दिशा में और अधिक प्रयास किए जाएंगे।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल आयेंगे भारत

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आने के लिए तैयार हैं। रूसी विदेश मंत्री के अनुसार पुतिन की दिल्ली यात्रा के लिए 'वर्तमान में व्यवस्था की जा रही है'। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का कहना है कि भारत-रूस संबंध इतने मजबूत हैं कि बदलती दुनिया में भी आपसी हित साधते हुए वैश्विक भलाई का मार्ग तलाश लेते हैं। रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद की ओर से आयोजित 'रूस और भारत- टुवर्ड ए न्यू बाइलेट्रल एजेंडा' नामक सम्मेलन को आज रूस और भारत के विदेश मंत्रियों ने वीडियो कांफ्रेंसिग से संबोधित किया। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो बार भारत-रूस वार्षिक शिखर वार्ता और ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान मुलाकात हुई थी। सम्मेलन में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत और रूस के संबंध आपसी विश्वास और सम्मान की लंबी परंपरा के साथ लगातार मजबूत हो रहे हैं। इन संबंधों में बदलती दुनिया में आपसी लाभ तलाशते हुए वैश्विक भलाई में योगदान देने की असाधारण क्षमता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को अधिक प्रगाढ़ करना हमारी विदेश नीति की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा, रक्षा और नागरिक-परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्रों में पहले की ही तरह मजबूत सहयोग जारी है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, कनेक्टिविटी और डिजिटल अर्थव्यवस्था सहयोग के नए क्षेत्र बनकर उभर रहे हैं। भारत और रूस ने 2030 तक 100 बिलियन अमेरिकी डालर तक द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

अमेरिकी वैज्ञानिक ने बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की

वाशिंगटन। अमेरिकी खगोलविदों ने एक बेहद हल्की गैलेक्सी की खोज की है। यह गैलेक्सी हमारी पड़ोसी एंड्रोमेडा गैलेक्सी के चारों ओर घूम रही है। खगोलविदों ने इस गैलेक्सी को एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी नाम दिया गया है। यह अब तक देखी गई सबसे फीकी और सबसे छोटी गैलेक्सी है। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी छोटी गैलेक्सी अब तक बची कैसे रही, क्योंकि अब तक माना जाता था कि इतनी हल्की आकाशगंगाएं ब्रह्मांड की शुरुआती गर्म और घनी परिस्थितियों में टिक नहीं पातीं। लेकिन एंड्रोमेडा एक्सएक्सएक्सवी इस धारणा को गलत साबित कर रही है। मिशिगन यूनिवर्सिटी के खगोलविद एरिक बेल का कहना है कि यह गैलेक्सी पूरी तरह से सक्रिय है, लेकिन यह हमारी मिल्की वे की तुलना में दस लाख गुना छोटी है। इसे इस तरह समझा जा सकता है जैसे कोई परफेक्ट इंसान जो सिर्फ एक चावल के दाने के आकार का हो।

नेपाल में दो बार महसूस किए गए भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हुमला जिले में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के तेज झटकों से दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र काठमांडू से 425 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित हुमला जिले के कालिका इलाके में था। भूकंप के कारण पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। इसी बीच, अनुसंधान केंद्र के अनुसार, शाम 6.27 बजे भी भूकंप के झटके लगे, जिनकी तीव्रता 5.5 मापी गई। इसका केंद्र तिब्बत के टिंगरी काउंटी में था और इसके झटके काठमांडू में भी महसूस किए गए। नेपाल में कुछ समय के अंतराल पर दो बार भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा दिया।

थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा पर जाएंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड और श्रीलंका की यात्रा पर जाने वाले हैं। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी 3-4 अप्रैल 2025 थाईलैंड के बैंकॉक का दौरा करेंगे। पीएम मोदी 4 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाले छठे बीआईएमएसटीई देशों की बैठक में भी हिस्सा लेंगे। इस बैठक की मेजबानी थाईलैंड की ओर से की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पोएटोंगटार्न शिनावात्रा ने पीएम मोदी को इस बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।

बीआईएमएसटीई देशों की ये फिजिकल बैठक साल 2018 में नेपाल के काठमांडू में आयोजित चौथे बीआईएमएसटीई शिखर सम्मेलन के बाद हो रही है। मार्च 2022 में श्रीलंका के कोलंबो में पांचवां बिम्सटेक शिखर सम्मेलन वर्चुअल रूप में आयोजित किया गया था। छठे बीआईएमएसटीई शिखर सम्मेलन में विभिन्न देशों के नेता सहयोग को और अधिक गति प्रदान करने के तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। भारत क्षेत्रीय सहयोग और साझेदारी को मजबूत करने के लिए बिम्सटेक में कई पहल कर रहा है। इनमें सुरक्षा बढ़ाना, व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाना, भौतिक समुद्री और डिजिटल संपर्क स्थापित करना, खाद्य, ऊर्जा, जलवायु और मानव सुरक्षा में सहयोग करना, क्षमता निर्माण और कौशल विकास को बढ़ावा देना और लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाना शामिल है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 3 अप्रैल को 2025 को थाईलैंड के प्रधानमंत्री के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और देशों के बीच भविष्य की साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करने को लेकर बात करेंगे। आपको बता दें कि भारत और थाईलैंड समुद्री के जरिए सीमा साझा करते हैं और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक संबंध हैं।

इसके बाद पीएम मोदी 4-6 अप्रैल 2025 तक राजकीय यात्रा पर श्रीलंका जाएंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका पीएम मोदी को इस यात्रा का निमंत्रण दिया है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी भारतीय वित्तीय सहायता से कार्यान्वित विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए अनुराधापुरा भी जाएंगे। बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायका ने पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत का राजकीय दौरा किया था।

प्रयागराज से संभल तक कड़ी निगरानी

अलविदा की नमाज यूपी में जमीन पर पुलिस और आरएफ, आसमान में ड्रोन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रयागराज की बात करें तो संगम नगरी में अलविदा जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट है। सड़कों पर नमाज अदा नहीं करने के सख्त आदेश दिए गए हैं . जिसके मद्देनजर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई है. चौक स्थित जामा मस्जिद समेत दूसरी मस्जिदों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई।

चौक स्थित जामा मस्जिद में पुलिस, पीएसी के साथ आर ए एफ और वज्र वाहन तैनात किए गए. कई स्थानों पर क्विक रिस्पांस टीम भी तैनात कर दी गई है. शहर में सेक्टर और जोनल स्कीम लागू कर दी गई है।

धर्मगुरुओं से भी थाना स्तर पर और सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई है. सभी को बताया गया है कि सड़क पर कहीं पर भी नमाज नहीं पढ़ी जाएगी ताकि सड़क पर आने जाने वाले लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

डीसीपी सिटी अभिषेक भारती और एडीसीपी अभिजीत कुमार लगातार भ्रमण कर रहे हैं. पुलिस कमिश्नर तरुण बाबा, एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा का डीएम रविंद्र कुमार मांदड भी लगातार

मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि अलविदा जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

वहीं अमरोहा में रमजान माह के अलविदा जुमे को लेकर अमरोहा में स्क्क ने भारी पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया. जुमे की नमाज से पहले की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात हैं. अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

अमरोहा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है. शुक्रवार को जुमे की नमाज से पहले पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने भारी पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च किया. इस दौरान उन्होंने आम जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की. शहर के प्रमुख मस्जिदों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है. सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्क्क अमित कुमार आनंद ने अधिकारियों को सतर्क रहने और हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने गली-मोहल्लों और बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के जरिए भी निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें।

इसके साथ ही संभल में जुमे की नमाज को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती है. जिले को 11 जोन और 28 सेक्टरों में बांटा गया मजिस्ट्रेट व वरिष्ठ अधिकारी भ्रमण करेंगे। संभल के डीएम डॉ राजेंद्र पेंसिया ने कहा, सभी लोगों ने हमें आश्वासन दिया है कि वे अपना समर्थन देंगे.सड़कों पर नमाज अदा न करने के आदेश जारी किए गए हैं। पर्याप्त बल तैनात किया गया है। एएसपी श्रीश चंद्र ने कहा, अलविदा की नमाज से पहले संभल में पुलिस बल तैनात किया गया है. नमाज शांतिपूर्ण तरीके से होगी सीसीटीवी से निगरानी के साथ ड्रोन से निगरानी की जा रही है कोई भी सड़क पर नमाज नहीं पढ़ेगा, इसका निर्देश दिया गया है।

उधर, श्रावस्ती में अलविदा जुमा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है. संवेदनशील इलाकों में पुलिस की कड़ी निगरानी जारी है. सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से मॉनिटरिंग की जा रही है. पुलिस और क्रस्न की संयुक्त टीम ने फ्लैग मार्च किया . भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादी वर्दी में पुलिस तैनात है. शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपील की गई है।

सपा सांसद के घर हमला मामले में दो एफआईआर लेकिन मामूली धाराएं

करणी सेना का जिक्र तक नहीं, पुलिस ने इसलिए कर दी लीपापोती

आगरा ■ एजेंसी

आगरा में सपा सांसद के आवास पर धावा बोलने वाले क्षत्रिय करणी सेना के कार्यकर्ताओं का दो एफआईआर में जिक्र तक नहीं किया गया है। सांसद के पुत्र की ओर दर्ज कराई एफआईआर में भी करणी सेना का नाम नहीं है, जबकि दरोगा की ओर से लिखाए गए केस में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा को ही नामजद किया गया है। एक भी कार्यकर्ता का नाम नहीं लिखा गया है, जबकि पुलिस ने खुद ही चार हमलावरों को सांसद की कॉलोनी से पकड़ा था।

सपा के सांसद के आवास पर बुधवार को 50-60 कार्यकर्ताओं की भीड़ पहुंची थीं। इसके लिए पहले से ही सोशल मीडिया पर ऐलान किया गया था। क्षत्रिय करणी सेना के ओकेंद्र राणा ने कुबेरपुर इंटरचेंज पर पहुंचने की अपील की थी। बवाल के बाद पुलिसकर्मियों ने चार कार्यकर्ताओं को मौके से ही पकड़ लिया था।

सवाल है कि पुलिस की ओर से लिखाए गए केस में पुलिस ने क्षत्रिय करणी सेना के प्रदर्शन का उल्लेख तक नहीं किया है। जबकि थाने लाए गए कार्यकर्ताओं से नाम, पते लिखे गए होंगे। उनसे यह भी पूछा गया होगा कि वह किस मकसद से सांसद के आवास पर आए थे। पूरी एफआईआर में एमजी रोड पर हुई घटना का जिक्र भी दरोगा ने नहीं किया है, जिसमें पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं की गाड़ी को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह पुलिसकर्मियों को धकियाकर आगे बढ़ गए थे।

इसी तरह सपा नेता की ओर से दर्ज कराए मुकदमे में एक भी कार्यकर्ता का नाम नहीं लिखा गया है। न ही क्षत्रिय करणी सेना का उल्लेख है। उन्होंने भी अज्ञात लोगों की भीड़ पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाय है। यहां तक कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो दिन से ऐलान देने का जिक्र किया है, लेकिन कौन ऐलान दे रहा था, यह नहीं लिखा गया है। इस तरह से दोनों एफआईआर में हमलावरों की पहचान तक नहीं खोली गई है। अब पुलिस कह रही है कि वीडियोग्राफी करवाई गई है।

आरोपियों को चिह्नित किया जाएगा, जबकि जिन 19 लोगों को पकड़ा गया, क्या उनके नाम, पते पुलिस के पास नहीं होंगे। वहीं दोनों ही केस में पुलिस ने बीएनएस की धाराओं का जिक्र किया है, उनमें केवल सांसद के बेटे की ओर से लिखाए केस में जानलेवा हमले की धारा है, बाकी सामान्य धाराएं लगाई गई हैं, जबकि प्रदर्शनकारियों ने कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौती दी थी। इस संबंध में एसीपी आदित्य कुमार का कहना है।

मुंबई लौटूंगा तो गिरफ्तार हो जाऊंगा, मेरी जान को खतरा..., कुणाल कामरा ने कोर्ट में दी अर्जी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने पिछले दिनों हुए विवाद के बाद अपनी जान को खतरा है. उन्होंने कहा, मैं विल्लुपुरम (तमिलनाडु) का रहने वाला हूं. अगर मुंबई वापस आऊंगा तो मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाएगा, शिवसेना कार्यकर्ताओं से मेरी जान को खतरा है। कुणाल कामरा ने मद्रास हाई कोर्ट से ट्रांजिट अग्रिम जमानत की मांग की है। अदालत ने दोपहर याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है।

कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी के मामले में ट्रांजिट अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. चीफ जस्टिस की बेंच के समक्ष मामले की तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया. कुणाल कामरा के वकील ने हाई कोर्ट को बताया है कि उनके स्टैंड अप एक्ट में की गई टिप्पणियों के लिए उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं.

अपनी टिप्पणियों और हाजिरजवाबी से लोगों को हंसाने वाले कुणाल कामरा ने अपने सोशल

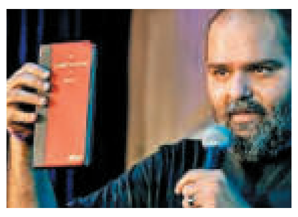

मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था. उन्होंने बॉलीवुड की फिल्म दिल तो पागल है के गीत पर पैरोडी बनाया था. इस गीत के जरिये उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर तीखे कमेंट किए थे. यही कमेंट शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरे थे। इस वीडियो के वायरल होते ही शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता उग्र हो गए थे. वीडियो सामने आते ही शिवसैनिक नाराज हुए और उन्होंने रविवार को मुंबई के खार इलाके में स्थित स्टूडियो और होटल यूनिकॉन्टिनेंटल में तोड़फोड़ की. इस बीच कुणाल कामरा के खिलाफ रूढ्ढष्ठष्ट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई. शिंदे सेना विधायक मुराजी पटेल ने शिकायत दर्ज कराई।

कुणाल कामरा के इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि एकनाथ शिंदे जी का मजाक उड़ाया गया. एक ऐसा नेता जो खुद के दम पर ऑटो चालक से लेकर भारत के दूसरे सबसे बड़े राज्य का सीएम बना. उन पर की गई टिप्पणी में वर्गवादी अहंकार की बू आती है. भारत उन हकदार राजाओं और उनकी चाटुकारिता इकोसिस्टम को अस्वीकार कर रहा है जो योग्यता और लोकतंत्र का समर्थन करने का दिखावा करते हैं।

वहीं शिवसेना सांसद नरेश म्हास्के ने कामरा को चेतावनी दी थी कि पूरे देश में शिवसेना कार्यकर्ता उनका पीछा करेंगे. उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि आप भारत से भागने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

बता दें कि एकनाथ शिंदे पर कुणाल कामरा की टिप्पणी पर विवाद के बाद बीएमसी के अधिकारियों की टीम ने सोमवार को मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो के एक हिस्से को ढहा दिया. इसी स्टूडियो में कामरा ने वह विवादित शो किया था, जिसमें शिंदे पर टिप्पणी की गई थी।

म्यांमार से थाईलैंड तक कांपी धरती बैंकॉक में निर्माणाधीन इमारत ढही

नई दिल्ली ■ एजेंसी

म्यांमार के एक के बाद एक भूकंप के दो तेज झटके महसूस किए गए हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के ये झटके इतने तेज थे कि लोग दहशत में आ गए और अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए। पहला भूकंप सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। इसके बाद दूसरा झटका दोपहर 12 बजकर दो मिनट पर आया, इसकी तीव्रता 7 मापी गई।

भूकंप के झटके थाईलैंड तक महसूस किए गए। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.2 और 7.0 रही। दोनों ही भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में था। कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि म्यांमार में रुक-रुककर लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं। कुछ समाचार एजेंसियों ने रिपोर्ट किया है कि शुक्रवार को म्यांमार में 7.7 और 6.4 तीव्रता के दो लगातार भूकंप आए। दावा किया जा रहा है कि म्यांमार के मांडले में इरावदी नदी पर बना सुप्रसिद्ध अवा ब्रिज गिर गया है। भूकंप में कई इमारतों को भी

नुकसान पहुंचा है। भूकंप इतना तेज था कि करीब 900 किलोमीटर दूर बैंकॉक में भी इसके झटके महसूस किए गए।

बैंकॉक पुलिस का कहना है कि दोपहर में थाई राजधानी में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में निर्माणाधीन ऊंची इमारत ढह गई। संभावित हताहतों की संख्या अभी तक पता नहीं चल पाई है। पुलिस के मुताबिक, बैंकॉक के लोकप्रिय चतुचक मार्केट के पास घटना हुई। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि ढहने के समय साइट पर कितने श्रमिक थे?

जजों की नियुक्ति के लिए बना कॉलेजियम सिस्टम अब खत्म होने वाला है?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्तियों को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए अभी कुछ दिन पहले ही संसद में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि 2018 से अब तक सात वर्षों में देश की विभिन्न उच्च न्यायालयों में 78 प्रतिशत जज सवर्ण जाति से बनाए गए हैं. उनके अनुसार 715 जजों में से केवल 22 एससी श्रेणी से आते हैं. वहीं, 16 एसटी और 89 ओबीसी श्रेणी से आते हैं। इस दौरान 37 अल्पसंख्यकों को भी जज बनाया गया. आरोप लगता रहा है कि जजों की नियुक्तियों में देश के कमजोर वर्गों को प्रतिनिधित्व देने में कोताही की गई है।

इसी तरह 2020 में हुए एक सर्वे की रिपोर्ट पर नजर डालिए. देश के सर्वोच्च न्यायालय में 33 फीसदी जज और हाईकोर्ट के 50 फीसदी

जज ऐसे हैं जो किसी न किसी जज के परिवार से आते हैं. मुंबई के एक वकील मैथ्यूज जे नेदुमपारा की रिसर्च में यह बात सामने आई थी। दरअसल, नेदुमपारा वही वकील हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन एक्ट को चुनौती देते हुए याचिका लगाई थी. उन्होंने अपनी यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संवैधानिक पीठ को सौंपी थी। नेदुमपारा के मुताबिक, यह व्यवस्था कोलेजियम सिस्टम की वजह से पैदा हुई है, जिसमें जज ही दूसरे जजों को नियुक्त करते थे।

उपरोक्त दोनों फैक्ट बताते हैं कि देश में कॉलेजियम सिस्टम को खत्म करके एनजेएसी को लाना कितना जरूरी है। 2014 में बीजेपी की सरकार बनने के बाद से ही लगातार ऐसे प्रयास होते रहे हैं कि देश में नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन (एनजेएसी) बनाकर न्यायालयों में जजों की नियुक्ति प्रक्रिया कॉलेजियम सिस्टम को खत्म किया जा सके. सरकार ने संविधान संशोधन करके कानून भी बनाया पर न्यायपालिका ने उसे निरस्त कर दिया. इसके बाद भी सरकार निराश नहीं हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रा दिवस पर लाल किले के प्राचीर से न्यायिक व्यवस्था में सुधार की जरूरत पर जोर देते हुए अपनी सरकार में रिफॉर्म्स पर हुए कार्यों के बारे में बताया था. मोदी ने तब कहा था कि अब न्यायिक सुधार समय की मांग है. लगता है कि अब समय आ गया है।

कोलकाता। सेना आयुध कोर (एओसी) के 250वें स्थापना दिवस के अवसर पर 222 एबीओडी ने 51 सब एरिया और मुख्यालय पूर्वी कमान के तत्वावधान में एक भव्य मोटरसाइकिल अभियान का आयोजन किया है। यह अभियान 26 मार्च 2025 को असम के नारंगी कैंट से शुरू हुआ और 6 अप्रैल 2025 को दिल्ली में संपन्न होगा। इस दौरान यह अभियान बिन्नागुड़ी, बेंगडुबी, दानापुर, रीवा, झांसी, भरतपुर और मथुरा सहित कई महत्वपूर्ण सैन्य स्टेशनों से होकर गुजरेगा। इस ऐतिहासिक यात्रा में आठ जांबाज मोटरसाइकिल सवार शामिल हैं, जो 2185 किलोमीटर की कठिन यात्रा तय करेंगे।

भोपाल। बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी के ज्ञान विज्ञान भवन में शुक्रवार को विभिन्न यूनिवर्सिटी के कर्मचारी संघ के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का बड़े हार से स्वागत किया।

राजीव नगर में चल रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में श्रीकृष्ण भजन पर नाचे भक्त

भगवान कभी अपने भक्त का साथ नहीं छोड़ते : नीरज नयन महाराज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भगवान श्री कृष्ण की भक्ति का सबसे बड़ा फायदा यह है कि, यह भक्ति इस जन्म में जहां से भी छूटती है, अगले जन्म में पुन- वहीं से फिर शुरू हो जाती है, अर्थात भगवान श्री कृष्णा जन्मो जन्मो तक अपने भक्त का हाथ नहीं छोड़ते, एक बार जो उनका हो गया हमेशा हमेशा के लिए उनका हो गया।

यह बात वृंदावन से पधारे कथावाचक नीरज नयन महाराज ने राजीव नगर ए सेक्टर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवे दिन की कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, पूतना, गोवर्धन प्रसंग के दौरान कही। उन्होंने कहा कि संसारी मनुष्य परिस्थिति देखकर आपसे संबंध बनाते हैं। अगर आपसे उनका मतलब सिद्ध नहीं हो रहा तो वह दूर हट जाते हैं, लेकिन हमारे

ठाकुर, कन्हैया जी जीवनभर साथ नहीं छोड़ते। इसलिए मनुष्य को श्रीकृष्ण की आराधना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार भी जिसके मन पर सांवरे की सूरत का रंग चढ़ गया,फिर उसके ऊपर कोई रंग नहीं चढ़ता, दिल को नैनो को सांवरे के अलावा कोई नहीं भाता वो तन मन धन से अपने गिरधर गोपाल का हो जाता है।

इंद्र का घमंड दूर किया- उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। पूतना वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को अपने स्तन से जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। उसके बाद कार्तिक माह में ब्रजवासी भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए पूजन का कार्यक्रम करने की तैयारी करते हैं। भगवान कृष्ण द्वारा उनको भगवान इंद्र की पूजन करने से मना करते हुए गोवर्धन महाराज की पूजन करने की बात कहते हैं। इंद्र भगवान उन बातों को सुनकर क्रोधित हो जाते हैं। वह अपने क्रोध से भारी वर्षा करते हैं। जिसको देखकर समस्त ब्रजवासी परेशान हो जाते हैं। भारी वर्षा को देख भगवान श्री कृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत कक़्ककककको नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं। जिसके बाद ब्रज में भगवान श्री कृष्ण और गोवर्धन महाराज के जयकारे लगाने लगते हैं।इस लिए जीव को कभी अभिमान नहीं करना चाहिए और कर्म करना चाहिए फल की इच्छा नहीं रखनी चाहिए,जिससे कर्म करोगे तो फल मिलेगा इसलिए भगवान ने भी कर्म को प्रधान बताते हुए कहा कर्म करना जीव का धर्म है फल देना मेरा काम है। श्रीमद भागवत कथा में श्रीकृष्ण भजनों पर भक्त खूब नाचे।

संक्षिप्त समाचार

प्रमुख सचिव वित्त के खिलाफ हाईकोर्ट का वारंट

भोपाल ।मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश के प्रमुख वित्त सचिव के खिलाफ 5000 रूपये का जमानती वारंट जारी किया है।यह वारंट मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 5.50 लाख पेंशनरों को महंगाई राहत भत्ता नहीं दिए जाने के कारण जारी किया गया है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के विभाजन के पश्चात यह विवाद लंबे समय से चला आ रहा है।14 महीने का महंगाई राहत भत्ता पेंशनरों को नहीं दिया गया था।यह विवाद लंबे समय से हाईकोर्ट में लंबित था।छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दो बार सहमति दिए जाने के बाद भी पेंशनरों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा महंगाई भत्ता नहीं दिया गया।यह मामला इंदौर खंडपीठ में लंबित था।फैसला होने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया था।मध्य प्रदेश सरकार जवाब भी पेश नहीं कर रही थी।जिसके कारण हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव के खिलाफ 5000 रूपये का जमानती वारंट जारी किया है।

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया ई-आफिस प्रणाली का प्रशिक्षण

भोपाल।शासन द्वारा समस्त शासकीय विभागों में ई-आफिस प्रणाली को लागू किया जाना है।ई-आफिस का प्रशिक्षण निरंतर जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी अंतर्गत निर्मित ई-दक्ष केंद्र भोपाल में दिया जा रहा है।इससे आधुनिक तकनीकी का उपयोग करके कार्यालयों का संचालन किया जा सकेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन ई-दक्ष केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक रिंकेश जैन एवं प्रशिक्षक अमित सराठे द्वारा किया जा रहा हैंद्य जिले में ई- ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर भोपाल के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न विभाग जैसे सामाजिक न्याय , खनिज संसाधन, सहकारिता विभाग, जिला लोक अभियोजन कार्यालय, परिवहन, खेल और युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, योजना आर्थिक एवं सांख्यकी, महिला एवं बाल विकास भोपाल, उद्यानिकी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के विभिन्न कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका हैं।

मल्टीपल बिजली कनेक्शनों का बिल भुगतान अब एक क्लिक पर उपलब्ध

भोपाल।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट और शासकीय तथा अशासकीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करने के लिए समेकित भुगतान तंत्र विकसित कर नई सुविधा उपलब्ध कराई है।यह प्रणाली मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के उन बिजली उपभोक्ताओं को भुगतान करने में मदद करेगी जैसे कि नगर निगम, मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के उपक्रम, सरकार तथा निजी क्षेत्र के बैंक तथा निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियां, दूरसंचार कंपनियां जिनके विभिन्न क्षेत्रों में टॉवर लगे हुए हैं और ऐसे अन्य उपभोक्ता जिनके मल्टीपल बिजली कनेक्शन हैं, उन्हें यह समेकित भुगतान प्रणाली फायदा पहुँचाएगी।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया है कि समेकित भुगतान प्रणाली से मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को भुगतान करने में सहायता मिलेगी।ऐसे मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं की संख्या कंपनी कार्यक्षेत्र में ढाई हजार से अधिक है।

एमपी में पारा 41 डिग्री पार, खजुराहो सबसे गर्म

गर्म हवाओं से बढ़ा तापमान, ग्वालियर-भोपाल में 39 डिग्री के पार पहुंचा पारा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में इन दिनों पारा 41 डिग्री के पार पहुंच गया है।छतरपुर के खजुराहो में सीजन में पहली बार गुरुवार को पारा 41.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, ग्वालियर और जबलपुर में 40 डिग्री के आसपास रहा। दमोह, गुना, शिवपुरी, सतना और सागर ऐसे शहर रहे, जहां 40 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। हालांकि, अगले 2 से 3 दिन तक पारे में मामूली गिरावट हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम से आ रही गर्म हवाओं की वजह से पिछले 3 दिन से तापमान में खासी बढ़ोतरी हुई है।निवाड़ी का पृथ्वीपुर और छतरपुर का खजुराहो सबसे गर्म है। शुक्रवार से कुछ शहरों में पारे में मामूली गिरावट देखने को मिल सकती है, पर अप्रैल की शुरुआत में लू चल सकती है।

इसलिए तेज गर्मी से थोड़ी राहत: सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, गर्म हवा चलने की वजह से गर्मी का असर बढ़ा है। ग्वालियर, उज्जैन और भोपाल संभाग में दिन का तापमान बढ़ा रहा। अभी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। हालांकि, यह प्रदेश से दूर है, लेकिन इससे हवा की रफ्तार बढ़ जाएगी और आने वाले दिनों में तापमान में मामूली गिरावट रहेगी।

इन शहरों में गर्मी का असर ज्यादा

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को कई शहरों में गर्मी का असर देखा गया।खजुराहो (छतरपुर) में 41.4 डिग्री, दमोह में 40.5 डिग्री, गुना, सतना-शिवपुरी में 40.2 डिग्री और सागर में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया।इसी तरह मंडला-टीकमगढ़ में 39.8 डिग्री, नर्मदापुरम में 39.6 डिग्री, रीवा में 39.4 डिग्री, शाजापुर में 39.3 डिग्री, सिवनी में 38.8 डिग्री, उमरिया में 38.7 डिग्री, मलाजखंड में 38.5 डिग्री, सीधी, धार-खरगोन में 38.4 डिग्री, बैतूल-रतलाम में 38.2 डिग्री, खंडवा में 38.1 डिग्री, नरसिंहपुर-नौगांव में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.7 डिग्री, इंदौर में 37.6 डिग्री, ग्वालियर में 39.5 डिग्री, उज्जैन में 38 डिग्री और जबलपुर में पारा 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सामान्य से ज्यादा पारा: पिछले 3 दिन से प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा है। दिन में तीखी धूप खिल रही है। इस कारण लोग बचने के तरीके ढूंढते हैं। दूसरी ओर, कई शहरों में पारा सामान्य से 1 डिग्री से 4.5 डिग्री तक अधिक है।

अप्रैल में चलेगी लू: पहले मार्च के आखिरी में प्रदेश में लू का असर रहने की संभावना थी, लेकिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से अब अप्रैल में ही लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना ज्यादा है। जिनमें रतलाम, उज्जैन, खरगोन, खंडवा, धार आदि शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

28 मार्च - दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।
29 मार्च- इस दिन भी पारे में गिरावट रहेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में पारा 38 डिग्री के आसपास रह सकता है।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा

बता दें कि मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है।अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी।मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है।अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है।इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

भोपाल। वार्ड 48 शाहपुरा गांव में लगभग 8 लाख की लागत से हनुमान मंदिर की आर आर सी सी स्लैब, नाली, सब्जी मार्केट का चबूतरा का विकास कार्यों का शुक्रवार को भूमिपूजन किया। इस असर पर पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह, जोन अध्यक्ष बाबूलाल यादव, पार्षद अरविंद वर्मा, भाजपा नेता नवल प्रजापति, मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, भाजपा नेत्री श्रीमती शक्ति दुबे, भाजपा नेता राजाराम शिवहरे एवं रहवासी गण उपस्थित रहे।

केरल से घूमने आए मछली कारोबारी की एयरपोर्ट लाउंज में हुई मौत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

केरल से भोपाल घूमने आए एक मछली पालन कारोबारी की वापस लौटते समय एयरपोर्ट पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। यह घटना शहर के गांधी नगर थाना क्षेत्र की है।बताया गया है कि राजा भोज एयरपोर्ट पर फ्लाईट पकड़ने पहुंचे कारोबारी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनके साथ मौजूद परिजन हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। थाना पुलिस के अनुसार केरल के रहने वाले जयन सिप्पी पिता श्रीधरण (67) का मछली पालन का कारोबार हैं।वे पिछले दिनों शहर में घुमने के लिए दोस्त और भतीजे

अविनाश सिप्पी के साथ आये हुए थे।26-27 मार्च की दरमियानी रात वापस लौटने के लिए तीनो रात करीब 12 बजे राजा भोज एयरपोर्ट पर पहुंचे।बोर्डिंग लाउंज पर पहुंचने के बाद ही जयन सिप्पी को एकदम घबराहट महसूस हुई।उन्हें तुरंत ही प्रबंधन ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया।यहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद बताया कि उनकी मौत हो चुकी है।गांधी नगर थाना पुलिस का कहना है, कि पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की जांच की दिशा तय की जाएगी।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में ट्विन स्ट्रिंग्स बैंड की म्यूजिकल परफॉर्मेंस ने श्रोताओं को झूमने पर किया मजबूर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा स्किल्स फ्यूजन फेस्ट 2025 वार्षिकोत्सव को गुरुवार को सेलिब्रेट किया गया। इस जश्न को और भी खास और यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में प्रसिद्ध बैंड ट्विन स्ट्रिंग्स का लाइव म्यूजिक कंसर्ट आयोजित किया।म्यूजिकल नाइट में विश्वविद्यालय परिवार के साथ-साथ शहर की जनता ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सिंगर सागर, साहिल, मानव और मोहित के गानों पर थिरके। उम्दा साउंड अरेंजमेंट्स और बेहतरीन लाइटिंग के साथ-साथ सिंगर्स ने सुरों का कुछ ऐसा समा बांधा की विश्वविद्यालय परिसर दर्शकों के अभिवादन और प्रशस्ति में बजाई गई तालियों से गूंज उठा।

म्यूजिक बैंड ने शाम की शुरुआत बेख्याली... गीत से की। उसके बाद उन्होंने केसरिया तेरा..., मस्त मौला मस्त कलंदर..., तू मेरा कोई होके भी कुछ लागे..., जी ले जरा..., आशिकी..., कुछ तो है तुझे राब्ता..., तू पहला प्यार है मेरा ... जैसे पॉपुलर सॉन्ग्स पर नाचने को मजबूर कर दिया। बैंड को सुनने बड़ी तादाद में लोग आए। और संगीत से अपनी शामें सजाईं। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स, प्रो-चांसलर, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति स्कोप स्किल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, कुलगुरू प्रो. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, एआईसी-आरएनटीयू के निदेशक श्री नितिन वत्स विशेष रूप से मौजद रहे।इससे पहले दिन के सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें रंगोली, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी, नेल आर्ट शामिल रहे।इसके अलावा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में सोलो डांस, ग्रुप डांस, स्टैंडअप कॉमेडी, सिंगिंग, ओपन माइक और कविता पाठ में छात्रों ने टैलेंट का प्रदर्शन किया।

गर्मी के मौसम में स्कूलों का समय बदलने की मांग

भोपाल ।भोपाल में 1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होने जा रही है।इस बीच गर्मी का मौसम भी अपना असर दिखाने लगा है। शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव और आयुक्त से स्कूलों का समय बदलने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सरकारी स्कूलों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं।बिजली, पानी और हवादार कक्षाओं की कमी से विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।शिक्षक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि संगठन के पदाधिकारी इस मांग को लेकर शिक्षा मंत्री और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलेंगे। साथ ही जिलों में कलेक्टरों को भी ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन की मुख्य मांग है कि स्कूलों की कक्षाएं सुबह की पाली में संचालित की जाएं।

शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा नवोन्मेष 2025 आयोजन आज से

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी शोध शिखर - विज्ञान पर्व 2025 के चौथे संस्करण का आयोजन शुक्रवार से किया जा रहा है। आरएनटीयू परिसर में 28 मार्च एवं 29 मार्च को आयोजित यह आयोजन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को अपने अनुसंधान प्रस्तुत करने के साथ नवाचार, विज्ञान संचार और सतत विकास पर केंद्रित विचारों के आदान प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा। साथ ही इसमें इंडस्ट्री एकेडमिक कॉलेब्रेशन को प्रोत्साहित करने के लिए अवसर प्रदान किए जाएंगे। आगे उन्होंने बताया कि उद्घाटन सत्र के प्रमुख अतिथियों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोरंजन मोहंती, नेशनल पॉवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट नई दिल्ली की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर, सीएसआईआर-निस्पर नई दिल्ली की निदेशक डॉ. रंजन अग्रवाल, एनआईएफ अहमदाबाद के डायरेक्टर डॉ. अरविंद रानाडे, डिपार्टमेंट ऑफ पी.सी.पी.एम - समंवयक एवं प्रबंधक, डीएसटी, नई दिल्ली डॉ. नम्रता पाठक और एनआरडीसी के डीजीएम डॉ. अमिताभ मिश्रा शामिल होंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग ने कलेक्टर्स को जारी किये दिशा-निर्देश

प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान की शुरूआत एक से 4 अप्रैल तक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं। अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा।कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें।इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और मैदानी अमले को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर दिये गये हैं।ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जायेगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जायेगा।कक्षा-1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जायेगा।इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गयी है। स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं।पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा।इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा।इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा।आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे।इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे।

बंद होगा फर्जीवाड़ा, लर्निंग लाइसेंस के लिए आवेदक को ही देना होगा टेस्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में लर्निंग लाइसेंस की व्यवस्था ऑनलाइन किए जाने के बाद से आवेदकों के बजाए एजेंट ही टेस्ट देकर लाइसेंस बनाने का काम कर रहे हैं।इसे देखते हुए अब परिवहन विभाग व्यवस्था को बदलने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत अब लर्निंग लाइसेंस टेस्ट के दौरान आवेदक की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग बायोमैट्रिक या वेबकेम की व्यवस्था को अनिवार्य करने की तैयारी कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में करीब ढाई साल पहले केंद्रीय परिवहन मंत्रालय द्वारा लाइसेंस की व्यवस्था को सेंट्रल सर्वर 'सारथी' से जोड़ा गया था।इसके तहत आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस टेस्ट के लिए आरटीओ आने की अनिवार्यता को खत्म करने के साथ ही ऑनलाइन टेस्ट की व्यवस्था शुरू की गई थी। इस व्यवस्था की शुरुआत से ही आवेदकों के स्थान पर एजेंट और एमपी ऑनलाइन संचालक पैसे लेकर खुद टेस्ट देकर आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस बनाकर दे देते हैं। आवेदकों को सिर्फ अपने आधार से लिंक मोबाइल पर आए ओटीपी को उनसे शेयर करना होता है।

अनमोल वचन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।
रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

संघ के कर्नाटक-मंथन में नये संकल्प-नयी दिशाए

इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयत्व भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षों में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है।

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिवसीय बैठक अपने स्थापना के शताब्दी वर्ष प्रवेश के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर बेंगलुरु में सफलतापूर्वक एवं ऊर्जामय माहौल में संपन्न हुई, जिसमें औरंगजेब विवाद, तीन-भाषा फॉर्मूला, परिसीमन और बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चर्चा ने एक अपूर्व वातावरण का निर्माण किया। जिसमें दुनिया में शांति और समृद्धि लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। इसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। आरएसएस की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिन्दू समाज में राष्ट्रीयत्व भाव जागृत करने, हिन्दुओं को संगठित करने एवं हिन्दू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से हुई और इन सौ वर्षों में न केवल इन लक्ष्यों को हासिल किया गया है बल्कि अनेक रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों एवं योजनाओं के साथ अपनी एक स्वतंत्र एवं अलग छवि का निर्माण किया है। इस वर्ष की वार्षिक बैठक न केवल विशेष बल्कि नवीन संकल्पों की वाहक बनी है, क्योंकि बैठक ने सकारात्मक क्रांतिकारी विचारों से न केवल राष्ट्र में सक्रिय नकारात्मक एवं अराष्ट्रीय ताकतों को सख्त संदेश दिया गया बल्कि पडौसी बांग्लादेश-पाकिस्तान-चीन आदि देशों की कुचेष्टाओं के लिये ललकारा भी गया एवं सावधान भी किया गया है। अठहत्तर वर्ष की देहरी पर खड़े होकर राष्ट्र के अतीत को देखा-परखा जाए तो ऐसा लगता है कि अब राष्ट्र का कायाकल्प हो रहा है। मूलभूत आस्थाओं एवं राष्ट्रीयता के दृढ़ीकरण के साथ देश में जो नई चेतना आई है, वह संघ जैसे शक्तिशाली संगठन का जीवंत साक्ष्य है। राष्ट्रीयता, स्व-पहचान, स्वदेशी-भावना, हिन्दू-संस्कृति के ऊर्जा के अक्षय स्रोतों की खोज में जो प्रयत्न किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। जन-आकांक्षा के अनुरूप राष्ट्र को जिस युगीन परिवेश में प्रस्तुति दी जा रही है,

वह असाधारण है। इन सब परिवर्तनों-परिवर्धनों एवं राष्ट्र को सशक्त करने के बावजूद संघ की सादगी का सौन्दर्य निराला है और कर्नाटक बैठक इसी सादगी के सौन्दर्य के अनूठेपन को लिये हुई थी।

दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन ने अपनी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे पूरे समाज को सज्जन शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भारत का आदर्श प्रस्तुत करें। इसमें बैठक में मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान एवं सक्षमता है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता पर बल दिया है, जो 'धर्म' पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही बैठक में पारित प्रस्तावों में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इस वर्ष की बैठक का हर बोल अनमोल है, हर चरण एक मंजिल है, हर संकल्प नये भारत-सशक्त भारत की दिशा है और हर क्रिया एक सन्देश है। संघ का जीवन और दर्शन, विचार और सोच अन्तरमन को कुरेदने वाली ऐसी प्रेरणा है जो जागृत अवस्था में सोने वाले लोगों का झकझोर देती है।

इस बैठक की खास बात यह रही है कि इसमें संघ की तरफ से भाजपा के बारे में सीधे सवालों से दूरी बनाए रखी गयी। हालांकि, परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण के राज्यों में सीटें कम नहीं होने को लेकर भाजपा को संदेश भी दे दिया। परिसीमन को लेकर संघ ने साफ कहा कि दक्षिणी राज्यों का लोकसभा में अनुपात वही रहेगा। इसके साथ ही संघ ने तीन-भाषा फार्मूले पर संतुलित रुख बनाए रखा गया। ऐसे समय में जब भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार त्रिभाषा फार्मूले को लेकर असमंजस में हैं, आरएसएस ने इस विवाद को दरकिनार करते हुए मातृभाषा, व्यक्ति के निवास स्थान की क्षेत्रीय भाषा तथा करियर की भाषा, जो अंग्रेजी या कोई अन्य भाषा हो सकती है, के उपयोग की वकालत की है। संघ ने महाराष्ट्र में मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर चल रहे विवाद को लेकर मुगल शासक की तीव्र एवं तीखी आलोचना की। खास बात यह देखने को मिली कि संघ की तरफ से औरंगजेब की आलोचना के साथ ही उसके भाई दारा शिकोह का जश्न भी मनाया, क्योंकि दारा शिकोह सामाजिक सद्भाव में विश्वास करने वाला व्यक्ति था। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत के मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों को आदर्श बनाया गया था। औरंगजेब 'भारत के लोकाचार' के खिलाफ था और अगर वैसी ही 'आक्रमणकारी मानसिकता' अभी भी मौजूद है तो यह देश के लिए खतरा है। जो इस भूमि की सांस्कृतिक विरासत को नष्ट करने की कुचेष्ठा भी है। निश्चित ही इस तरह कोई विकृत संस्करण या नैरेटिव प्रस्तुत करना चाहता है, तो उसका मुकाबला किया ही जाना चाहिए। कर्नाटक बैठक की टंकार में संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

सम्पादकीय

खाकी पर अपराधियों का रौब, जगह-जगह पिट रही है पुलिस

सरकार को सोचना होगा, पुलिस बल का प्रभाव आम जनता के बीच में कम क्यों होता जा रहा है। आम जनता पुलिस के ऊपर हमले क्यों कर रही है। जिस पुलिस के डर और भय से लोग स्वयं नियंत्रित हो जाते थे, अब वही लोग पुलिस के ऊपर हमला करने से भी नहीं डरते हैं। हाल ही में दर्जनों स्थानों पर पुलिस के ऊपर हमले हुए हैं। वर्दी के पीछे पुलिस कर्मियों की वेदना उनके लिए असहनीय होती जा रही है। वह अपनी वेदना शारीरिक रूप से व्यक्ति भी नहीं कर सकते हैं। पुलिस के ऊपर जिस तरह से राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक दलों एवं धार्मिक संगठनों के नेता एवं भीड़ जरा-जरा सी बात पर हिंसक आंदोलन खड़े कर देते हैं। आक्रामक तरीके से सड़क एवं धार्मिक स्थलों पर प्रदर्शन करते हैं। विशेष रूप से दो समुदायों के बीच जिस तरह से आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। उसके कारण सारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। पुलिस बल का रौब भी खत्म होता चला जा रहा है। रमजान का महीना चल रहा है। मुस्लिम समुदाय के रोजा और नमाज को लेकर एक विशेष वर्ग द्वारा लगातार एक धार्मिक समुदाय पर दबाव बनाया जा रहा है। समुदाय विशेष के धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में जिस तरह की बातें हो रही हैं। वह कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। रमजान ओर रामनवमी पर्व एक साथ होने के कारण कुछ संगठनों का उग्र रवैया आग में घी डालने का काम कर रहा है। जिसके कारण कई राज्यों की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली जा रही है। 300 साल के इतिहास में नागपुर में पहली बार दंगा हुआ। इसका कारण भी पूर्णत: एक वर्ग विशेष के खिलाफ आंदोलन और प्रदर्शन के बाद जिस तरह की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण दंगा हो गया। कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस को कानून व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं मिलता है। सरकार के दबाव मे काम करना पड़ता है। दो वर्गों के बीच के विवाद में एक वर्ग के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई करनी पड़ती है। एक वर्ग विशेष के मकानों को बुलडोजर से पुलिस की उपस्थिति में तोड़ दिया जाता है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण दूसरे पक्ष पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण पुलिस के खिलाफ एक गुस्सा पनपता है। मुंबई में एक कॉमेडियन द्वारा एक कार्यक्रम में एक राजनेता के ऊपर व्यंग्य किया गया। उसके बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कॉमेडियन के खिलाफ खड़ी हो गई। जिसके कारण मुंबई जैसे स्थान में देखते ही देखते कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस के ऊपर कब कहां से मुसीबत आ जाएगी। पुलिस को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। पुलिस का खौफ और रोब खत्म होता जा रहा है। पुलिस निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही नहीं कर पाती है। एक पक्ष प्रताड़ित होता है, दूसरा पक्ष खुलेआम आक्रामक होकर घूमता रहता है। जिसके कारण पुलिस की स्थिति आम जनता के बीच वह नहीं रही, जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। राजनीति में जिस तरह से अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। राजनीति में अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक उन्माद भी अपराधों को बढ़ा रहा है। पुलिस चाहकर भी धार्मिक उन्मादियों पर कार्रवाई नहीं कर पाती है। जिसके कारण आम जनता के बीच में पुलिस के खिलाफ विद्रोह पनपने लगा है, जिसका खामियाजा पुलिस कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। अपराधियों को राजनीतिक एवं धार्मिक संरक्षण मिलने के कारण पुलिस की स्थिति दयनीय होती चली जा रही है। पुलिसकर्मियों के ऊपर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। जगह-जगह पर सामुदायिक भीड़ तंत्र कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। पुलिस स्वयं अपने कामकाज की जिम्मेदारी पूर्ण नहीं कर पा रही है। पुलिस बल अधिकांश मामले में भीड़ को नियंत्रित करने और नेताओं की सुरक्षा में लगा रहता है। जिसके कारण अपराधों की जांच और अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए मुश्किल होता चला जा रहा है। पुलिस एक जांच एजेंसी है। पुलिस की उपस्थिति में लोगों के मन मे सुरक्षा का भाव होता है। लेकिन यह भाव अब धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। पुलिस की मौजूदगी भी लोगों को सुरक्षित महसूस नहीं करा पा रही है। भीड़ के बीच में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति मे लोग पुलिस के ऊपर कैसे भरोसा कर पाएंगे। इसे आसानी से समझा जा सकता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पुलिस को निष्पक्षता से काम करने की छूट देनी होगी। राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप खत्म करना होगा। पुलिस निष्पक्षता से कार्रवाई करेगी, तभी पुलिस का भरोसा आम जनता के बीच में बढ़ेगा। कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर होगी। महंगाई, बेरोजगारी, धार्मिक उन्माद, बढ़ते अपराध, नशाखोरी इत्यादि ऐसी समस्या है, जिनके कारण अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। यह सारा दबाव पुलिस के ऊपर पड़ता है। पुलिस का रौब आम जनता के बीच में बना रहे, पुलिस की इमेज देशभक्ति और जन सेवा की बनी रहे। इसके लिए पुलिस पर राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म होना चाहिए। पुलिस को एक स्वतंत्र जांच एजेंसी के रूप में काम करने और कार्रवाई करने के अधिकार मिलें। यदि ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से पुलिस का रोब बना रहेगा। कानून व्यवस्था की स्थिति में भी सुधार होगा।

संस्कार की कमी से बढ़ते हैं तलाक के मामले

आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60त्न की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60त्न की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11 प्रतिशत है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है।

संजय गोस्वामी

आजकल कुछ लेख पढ़ा जो बढ़ते तलाक के मामले पर था अपनी विशाल संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों और समृद्धि की ऊंचाइयों के लिए मशहूर भारतीय समाज में तला के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले कुछ सालों में भारत में तलाक के मामलों की संख्या में 50 से 60त्न की बढ़ोतरी हुई है। ऐसा नहीं है कि ये सभी मामले सिर्फ बड़े शहरों से हैं। मथुरा, हापुड़ और झज्जर जैसे छोटे शहर भी इन आंकड़ों में बराबर का योगदान दे रहे हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि 50 से 60त्न की पर्याप्त वृद्धि के बाद भी भारत में तलाक की दर केवल 11त्न है और यह प्रतिशत अभी भी अन्य देशों की तुलना में कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित और प्रगतिशील देशों में तला की दर 55त्न, स्वीडन में 55त्न, रूस, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड में 43त्न और जर्मनी में 40त्न है। इससे पता चलता है कि रिश्तों को बनाए रखने के मामले में भारत का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी बेहतर है। लेकिन सिर्फ इसलिए कि यहां तलाक कम हो रहे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि यहां के लोग अपने रिश्तों से खुश हैं। इसके पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। हमारे देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का बोलबाला है। भारतीयों के लिए अलगाव या तलाक कभी भी आसान बात नहीं रही, इसे पुरुष या महिला के चरित्र पर एक काला धब्बा माना जाता है। अन्य देशों की तरह यहां रिश्ते केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर नहीं बनते।इसके अलावा हिंदू धर्म तलाक शब्द को नहीं जानता।हिंदू धर्म में विवाह एक पवित्र और अनमोल रिश्ता है जिसे केवल एक जन्म के लिए नहीं बल्कि सात जन्मों के लिए माना जाता है।इसके अलावा कई अन्य कारक भी हैं जिनमें आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता, सामाजिक और पारिवारिक दबाव शामिल हैं। अगर बच्चे की जिम्मेदारी है तो अलगाव और भी मुश्किल हो जाता है।इस विस्तृत चर्चा में तला के मामलों में वृद्धि के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया गया जिसमें सबसे बड़ा तर्क ऐ निकला जो संस्कार है और विचार का सही तालमेल ना होना इसलिए शादी को गंभीरता से लें नहीं तो शादी ना करें यदि आप किसी अध्यात्मिक देवता को पूजते हैं तो ऐ कोई जरुरी नहीं की वो भी पूजे ,। सामाजिक परिवर्तन से आधुनिक युग में सामाज में परिवर्तन भी हो रहा है जिसका सीधा असर विवाह और तलाक पर पड़ता है। पुरानी रूढ़िवादी विचारधारा से बाहर निकलने के दबाव, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग में वृद्धि के साथ ही स्थिर संबंध बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा है। आधुनिक समाज में हो रहे परिवर्तन विभिन्न क्षेत्रों में शोध और प्रक्रिया को प्रेरित कर रहे हैं। युवा पीढ़ी आत्म-स्वतंत्रता के महत्व को समझ रही है और इसलिए स्थिर संबंधों

को बनाए रखने के बारे में अधिक चिंतित हो रही है। यह इच्छा अक्सर उन्हें अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग करने के लिए प्रेरित करती है, जो तला का कारण बन सकती है।। महिलाएं स्वतंत्र हो रही हैं आज की युवा पीढ़ी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के महत्व को समझती है और अपने जीवन को अपने रास्ते पर ले जाना चाहती है। इसलिए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के आदर्शों के लिए लड़ते हुए, वे अपने जीवनसाथी से अधिक मानवाधिकारों और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यह अक्सर रिश्ते की स्थिति को कठिन बना देता है, जिससे तलाक का खतरा होता है। पहले, पुरुष ही एकमात्र व्यक्ति था जो पूरे परिवार के लिए रोटी कमाने जाता था और महिला घर पर रहती थी, इसलिए वह बाकी दुनिया से अलग-थलग थी। इससे उनके पतियों पर उनकी आर्थिक और भावनात्मक निर्भरता भी बढ़ गई। इसके कारण, कई बार उन्हें अपने पतियों के आक्रामक व्यवहार को सहना पड़ा लेकिन आज इसके विपरीत भी सुनने को मिल रहा है यहाँ तक हत्या और आत्महत्या भी पुरुष कर रहें हैं क्योंकि उनका शारीरिक और मानसिक शोषण का भी सामना करना पड़ा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। महिलाएं भी पुरुषों की तरह ही बाहर जा रही हैं, व्यापार और नौकरी कर रही हैं और जब एक महिला पुरुष के स्वभाव से मेल नहीं खाती है , तो यह पुरुष पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। साथ ही, अब महिलाएं हर मामले में स्वतंत्र जरूर हैं,लेकिन उसका ऐ भी फ़र्ज है कि लड़के के माता पिता को ध्यान देना, इसलिए वे बूढ़े बुजुर्गो के बात को बर्दाश्त नहीं करती हैं। शायद यही वजह है कि तलाक के ज्यादातर फैसले महिलाएं ही लेती हैं। व्यावसायिक दबाव भी है आधुनिक जीवनशैली में व्यावसायिक दबाव की बढ़ती गति ने भी तला की दरों में वृद्धि को बढ़ावा दिया है। रिश्तों में यह दबाब विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की जीवनशैली में बदलाव का प्रतिबिंब है, जो तला की दर को बढ़ा रहा है। व्यवसाय की दुनिया में काम करने वाले लोगों के लिए, जीवनशैली में बदलाव ने रिश्तों को निभाने में आने वाली कठिनाइयों से निपटने के लिए चुनौतियां पैदा की हैं। इसमें अक्सर समय की कमी, असमानता और पारिवारिक दबाव की बढ़ती गति शामिल होती है, जो रिश्तों में तनाव और असंतुलन पैदा कर रही है। 4।

रोकना होगा राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को

रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चाओं में बने रहते हैं। वहीं बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर अपराधिक मामले दर्ज हो रहें हैं। जिससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब होती जा रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीतिक दागदार हुई है। वहीं नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीतिक व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से है या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकर्ताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है। एक समय था जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ भी होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। वह पैसे के बल पर ही चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांच सितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है। 1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रूपयों की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आता है। सबको पता है की राजनीति में आज छूट-भैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता हैं। चुनाव सुधार पर काम करने वाली एक गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। जिसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानि 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं।

चिंतन-मनन

हनुमान सष्टे सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी। जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा -

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मासर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

खास बात

राज्यों की वित्तीय स्थिति बिगड़ी, सुप्रीम कोर्ट का सहारा

केंद्र सरकार और राज्यों की वित्तीय स्थिति दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने रोना रो दिया।विकास के लिए पैसे नहीं हैं। सारा पैसा योजनाओं मैं खर्च हो रहा है। यही हालत महाराष्ट्र सरकार की हो रही है। मध्य प्रदेश की सरकार तो हर महीने कर्ज लेकर योजनाओं और राज्य के खर्चों को पूरा कर रही है। कमोवेश यही स्थिति सभी राज्यों की है।अब राज्य सरकारों और केंद्र सरकार का एकमात्र सहारा सुप्रीम कोर्ट है।सुप्रीम कोर्ट यदि लोक लुवाभन योजनाओं को बंद करने का आदेश देती है। तभी जाकर सरकारों की सांस वापस आएगी।अभी तो हर महीने सांस अटक रही है।

कर्ज लेकर अब घी क्या मठा भी नहीं पी सकेंगे

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को कर्ज और ब्याज की अदायगी में 25 से 30 फ़ीसदी राशि खर्च करनी पड़ रही है। 25 से 35 फ़ीसदी तक वेतन और पेंशन में खर्च हो जाते हैं। रही सही राशि लोक लुभावन योजनाओं में बंट रही है। पिछले वर्षों में जितने टैक्स बढ़ाए जा सकते थे, सब बढ़ा दिए गए हैं। अब टैक्स बढ़ाने की गुंजाइश ही नहीं बची है। अभी तो कर्ज लेकर राजनेता और नौकरशाह घी पी रहे थे। अब मठा भी पी पाएंगे कि नहीं, कहना मुश्किल है। विकास योजनाओं मे खर्च करने के लिए पैसे ही नहीं है। कहां से कमीशन आएगा और कहां से कमाई होगी।

कॉमेडी की पैरोडी पर बवाल

अब तो हंसी मजाक करना भी मुश्किल हो गया है। हंसी मजाक करने पर लोग इतना बुरा मान जाते हैं। हंसी मजाक करने पर जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष करना पड़ सकता है।हाल ही में सच बोलने पर कॉमेडियन को जिस तरह से मुंबई में डराया धमकाया गया।मारा पीटा गया, तोड़फोड़ की गई।उसके बाद हंसना बहुत मुश्किल हो जाएगा। हां रोया जरूर जा सकता है। किसको कब कौन सी बात बुरी लग जाए, कहना मुश्किल है। कुणाल कामरा अभी तो दम भर रहे हैं। सरकार के सामने कितने दिन टिके रहेंगे, कहना मुश्किल है।

इलाहाबाद मे जस्टिस वर्मा गंगा मे डुबकी लगाकर पाप धोएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद रवाना कर दिया है। इलाहाबाद में गंगा नदी है। इलाहाबाद में संगम भी है। जहां स्नान करने से सभी पापों का नाश हो जाता है।न्यायमूर्ति वर्मा के पाप ज्यादा हो गए थे। उन्हें ज्यादा बार गंगा में डुबकी भी लगानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी परेशानी को देखते हुए उन्हें इलाहाबाद भेज दिया है। गंगा में डुबकी लगाने के बाद, जब वह पापों से मुक्त हो जाएंगे। तो एक बार फिर न्यायमूर्ति वर्मा न्याय करने करने के लिए न्याय की देवी की गोद में बैठ जाएंगे। राम राज का सत्य न्यायमूर्ति वर्मा चरितार्थ करेंगे।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि चर्तुदर्शी, शुक्रवासरे, पूर्वा भाद्र पद नक्षत्रे, शुक्ल योगे, विव करणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा 3/57 जातकर्म, नामाकरण, वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, कुशलवक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, जिद्दी-हठी, कम्प्यूटर इंजीनियर, बैंक कर्मचारी होगा।

मेष राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, मनोनुकूल कार्य बना लेवें।

वृष राशि- योजनाएं फलीभूत हों, शुभ समाचार संभव बनेंगे, रुके कार्य बन ही जाएंगे।

मिथुन राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि- कार्य-व्यवस्था की चिन्ता बनी ही रहेगी, प्रयास करने से लाभ होगा।

सिंह राशि- भोग-एश्वर्य की प्राप्ति होगी, कार्यगति उत्तम, सुख के साधन अवश्य बनेंगे।

कन्या राशि- अर्थिक योजना पूर्ण हो, समय पर सोचे कार्य पूर्ण होंगे, रुके कार्य बन ही जायेंगे।

तुला राशि- पारिवारिक बाधायें परेशान करेंगी, विरोधी तत्व कष्टप्रद रखें, ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि- मानसिक बेचैनी, उद्विघ्नता से बचें तथा समय से लाभांवित होंगे।

धनु राशि- कुटुम्ब की समस्याऐं कष्टप्रद हों तथा व्यर्थ भ्रमण में व्यय होगा।

मकर राशि- योजनऐं फलीभूत हो, सफलता के साधन जुटायें तथा कार्य बनें, ध्यान रखें।

कुंभ राशि- स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी तथा मानसिक कष्ट के साथ शरीर पीड़ा।

मीन राशि- तनाव-क्लेश व अशांति बनेगी, परिश्रम विफल होंगे, कार्यगति मंद हो।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.51 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	08.31 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.29 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.42 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.58 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.10 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	19.21 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.36 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.52 बजे से
		मकर	01.57 बजे से
		कुंभ	03.43 बजे से
		मीन	05.16 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 87 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 19.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 22.10 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 05.57 बजे तदनन्तर शुक्ल(शुक्र)02.07 बजे रात्रि को समाप्त। **करण** विष्टि 09.33 बजे तदनन्तर शकुनि 19.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 00' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872297 **जूलियन दिन** 2460762.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रमजान **तारीख** 27

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्वद्धद्दह् ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगी इन्दौर की महिला खिलाड़ी

इन्दौर। जबलपुर में पिछले सप्ताह विद्युत मंडल की 46वीं अंतरक्षेत्रीय क्रीडा प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज कर ट्राफी प्राप्त करने वाली इन्दौर क्षेत्र की महिला खिलाड़ियों ने गुरुवार अपराह्न प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह से भेंट की। प्रबंध निदेशक सिंह ने इन्हें जबलपुर शानदार जीत दर्ज करने पर बधाई दी एवं आगामी माह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं भी दी। प्रबंध निदेशक से मिलने वाली खिलाड़ियों में रिंकी शर्मा, प्रीति शुक्ला, श्वेता मंडलोई, शारदा शैलू, प्रियंका देवड़ा, आराधना कुलकर्णी शामिल थी। चयनित खिलाड़ी आगामी माह में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) व अन्य राज्यों के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय विद्युत मंडल की टेबल टेनिस, कैरम, टेनीकोईट, प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

लाथम एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए, ब्रेसवेल होंगे कप्तान

वेलिंग्टन। मेजबान न्यूजीलैंड टीम को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में कप्तान टॉम लाथम के बिना ही उतरना पड़ेगा। इसका कारण है कि कीवी टीम के कप्तान लाथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गए है। लाथम को हाल ही में हाथ में चोट लगी थी जो अब तक ठीक नहीं हुई है। कीव क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट पायी गयी है। । ऐसे में टीम की कप्तानी अब माइकल ब्रेसवेल को सौंपी गयी है। वहीं हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'कप्तान टॉम लेथम का चोटिल होना निश्चित रूप से निराशाजनक है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले ब्रेसवेल अब टीम को संभालेंगे।।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग का 18 सत्र खेला जा रहा है। इसमें भाग ले रहे सबसे महंगे खिलाड़ियों की बात करें तो इसमें ऋषभ पंत से लेकर श्रेयस अय्यर, वेंकटेश अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें श्रेयस अय्यर को छोड़ दें तो अब के मैचों में अन्य सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन खराब रहा है। 5 सबसे महंगे खिलाड़ियों में से 3 पंजाब किंग्स के ही हैं। ऋषभ - लखनऊ सुपर जॉइंट्स के कप्तान ऋषभ को फैंचाइजी ने 27 करोड़ में खरीदा था पर पहले मैच वह पूरी तरह से असफल रहे और शुन्य पर ही आउट हो गये।

मैच में दोनों ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी, सीएसके जीत के प्रबल दावेदार मानी जा रही है

सीएसके से आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

चेन्नई, निप्र। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इस मैच में सीएसके जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। इसका कारण है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसने शुरुआती मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अच्छी जीत दर्ज की थी। वहीं आरसीबी की टीम इस मैदान में अब तक केवल एक बार ही जीती है। वह भी 17 साल पहले साल 2008 में। इसके बाद से ही आरसीबी को यहां एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसे में आरसीबी का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीतना रहेगा। साल 2008 सत्र में जब आसीबी को जीत मिली थी। उस टीम से अब केवल विराट कोहली ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जो वर्तमान टीम में हैं।

ऐस में आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके की टीम के स्पिनरों का सामना करना उसे लिए आसान नहीं होगा। इस

मैदान पर पिच स्पिनरों की सहायक रही है। सीएसके टीम के पास रविंद्र जडेजा आर अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में उसने शामिल किया है। इन गेंदबाजों ने कुछ दिन पहले ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसको देखते हुए आरसीबी के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को सीएसके के स्पिनरों के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने के लिए काफी ध्यान से खेलना होगा। इस मामले में विराट को बल्लेबाजी की कमान संभालनी होगी। स्पिन का सामना करना हालांकि उनका मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है। इस बदलाव का मुख्य कारण स्पिनरों के खिलाफ अधिक स्वीप और स्लॉग स्वीप खेलने की उनकी इच्छा है और कोहली को इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोहली का इसमें फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को साथ देना होगा। इस पिच को देखते हुए आरसीबी टिम डेविड की जगह जैकब बेथेल को अंतिम एकादश में रख सकती है। इससे टीम को बाएं हाथ का एक स्पिनर भी मिल जाएगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्दार्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

अशांक और अयांश परख लीग बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में

इन्दौर, निप्र। सरताज अकादमी द्वारा आयोजित 18वीं परख लीग बैडमिंटन स्पर्धा में 11 वर्ष बालक वर्ग का खिताबी मुकाबला अशांक मिश्रा और अयांश मिश्रा के बीच हैं। अयांश मिश्रा 9 वर्ष आयु वर्ग के भी खिताबी मुकाबले में अदवैत शाह से फाइनल खेलेंगे।

नारायण बाग बाल विकास केंद्र बैडमिंटन हाल में हो रही स्पर्धा में अशांक मिश्रा ने अदवैत शाह को 15-3, 15-1 से और रित्वी दवे को 15-5, 15-6 से हराया, अयांश मिश्रा ने अदवैत शाह को 15-5, 15-8 से पराजित किया। अन्य लीग मैचों में तीर्थ गोयल ने अशांक मिश्रा को 15-9, 15-10 से, मन बड़जत्या ने नायशा पुरोहित को 15-1, 15-1 से और रित्वी दवे ने अदवैत को 15-8, 15-10 से हराया। अर्णव शाह ने अयांश मिश्रा को 15-9, 15-2 से पराजित किया। मन बडजत्या स्पर्धा में अब तक अपराजित हैं फाइनल मुकाबले शाम 6 बजे से होंगे। नायशा पुरोहित और रित्वी दवे बालिका एवं मन बडजत्या और तीर्थ गोयल 15 वर्ष बालक वर्ग के खिताबी मुकाबले में हैं।

विधायक ट्रॉफी राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

पुरुष वर्ग में भोपाल व महिला वर्ग में टिमरनी ने जीते फाईनल मैच

सोहागपुर, निप्र। स्थानीय सीएम राइज़ स्कूल मैदान पर आयोजित विधायक ट्रॉफी कबड्डी प्रतियोगिता बुधवार रात संपन्न हुई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में टिमरनी ने तथा पुरुष वर्ग में भोपाल ने जीत हासिल की है।भाजपा परिवार के इस आयोजन के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक विजयपाल सिंह ने उद्बोधन में कहा कि कबड्डी हमारी संस्कृति की पहचान है। जिससे युवा जुड़ रहे हैं। सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उन्हें खेल से जोड़ना होगा। भाजपा मंडलाध्यक्ष अश्वनी सरोज ने बताया कि सभी मैच रात्रि में दूधिया रोशनी में खेले गए। इस दौरान विधायक विजयपाल सिंह, पूर्व विधायक सविता दीवान, सरदार सिंह ठाकुर, हमीर सिंह चंदेल, किसान मोर्चा जिलामंत्री भगवान सिंह पटेल, नप अध्यक्ष लता पटेल, आकाश रघुवंशी, जेपी माहेश्वरी, यशवंत

पटेल, नप सीएमओ जीएस राजपूत, सौरभ सोनी, अभिनव पालीवाल, नीरज यादव, सौरभ तिवारी, दिलीप परदेशी, एकम सिंह राजपूत, शंकरलाल मालवीय, अंकित कुबरे, अंकुश जायसवाल व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे। समापन समारोह का संचालन पवन चौहान ने किया।

ये रहे परिणाम: जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता देहरी को 21000 रुपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता सेमरी खुर्द को 11000 रुपए व ट्रॉफी दिए गए। बेस्ट रेडर मौसम, बेस्ट कैचर रितिक चौरे व बेस्ट आलराउंडर अखिल राजपूत बने। राज्य स्तरीय पुरुष वर्ग में प्रथम रही भोपाल को 41000 रुपए व ट्रॉफी, द्वितीय रही रीवा को 25000 रुपए व ट्रॉफी तथा तृतीय रही खातेगांव को 15000 रुपए व ट्रॉफी दिए गए। महिला वर्ग में टिमरनी ने प्रथम, जबलपुर ने द्वितीय तथा रीवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव अन्तर्गत साहित्यिक एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

खरगोन, निप्र। ज्ञान उत्सव व लोक संस्कृति परम्परा का संगम थीम के अंतर्गत आज से शासकीय कन्या महाविद्यालय, खरगोन में वार्षिक उत्सव 2025 में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में साहित्यिक गतिविधियों में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्र'नमंच में प्रथम स्थान अपूर्वा जायसवाल बी.एससी. चतुर्थ वर्ष, उर्मिला बडोले बी.ए. तृतीय वर्ष एवं भारती पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वाद विवाद विधा में प्रथम स्थान अपूर्वा जायसवाल ने प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में भावना वर्मा बी.ए. प्रथम वर्ष एवं निदा कुरेशे बी.एससी.चतुर्थ ने द्वितीय स्थान एवं अपूर्वा जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेकिंग में कुमारी अंजुम पठान ने प्रथम एवं निदा कुरेशे ने द्वितीय स्थान तथा रोशनी डॉवर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में अपूर्वा जायसवाल ने प्रथम तथा सा+क्षी पंवार ने द्वितीय तथा सानिया बेग ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया।

रचनात्मक प्रतियोगिता में गिफ्ट रेपिंग में प्रथम स्थान निदा कुरेशे तथा प्रिया पण्डू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मॉडलिंग में निदा कुरेशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आर्ट्स क्राफ्ट में अंजुम पठान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आगामी 2 दिवस 28 एवं 29 मार्च 2025 को सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जायेगी, जिसमें स्थानीय विधायक, सांसद, जिलाधीशा खरगोन, अतिरिक्त संचालक इंदौर एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किये जायेगे। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.आर.के.यादव एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ.सेवन्ती डावर ने छात्राओ के शुभकानाऐ दी।

रोजगार के साथ आर्थिक विकास को भी मिल रहा बढ़ावा

ई-कॉमर्स की मदद से सशक्त हो रहे छोटे कारोबारी

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटे कारोबारियों यानी MSMEs के लिए लॉजिस्टिक्स एक बड़ा मुद्दा होता है, लेकिन स्नद्यद्बश्चद्मड्डह्म इसे बखूबी संभालता है, जिसका फायदा यह होता है कि कारोबारी अपने काम पर पूरा ध्यान दे पाते हैं। स्नद्यद्बश्चद्मड्डह्म के जरिए स्रूस्थ्ह्य को बैंकिंग सेवाओं से कम ब्याज दरों पर फंड मिल सकता है।

टेक्नोलॉजी आज केवल प्रोग्रामिंग और कंप्यूटिंग भाषाओं तक ही सीमित नहीं है। इससे परे टेक्नोलॉजी लोगों की समस्याओं को हल करने और जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण ई-कॉमर्स इंडस्ट्री है, जिसका प्रभाव न केवल व्यवसायों पर बल्कि भारत के लाखों लोगों के जीवन पर भी देखा जा सकता है।

छोटे उद्यमों को नई उड़ान: टेक्नोलॉजी, छोटे व्यापारियों की कैसे मदद कर रही है, आइए इसे लखनऊ की यास्मीन अदिल की प्रेरणादायक कहानी से समझते हैं। अदिल की एक सफल विक्रेता हैं। आपको बता दें कि अब एक राष्ट्रीय पहल है जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम कारीगरों, बुनकरों और वंचित समुदायों को ई-कॉमर्स के माध्यम से नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह एक समावेशी डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो उन्हें अपने व्यवसाय को

आगे बढ़ाने और बेहतर जीवन यापन के काबिल बनाता है।

परिवार से दूर होने के कारण, यास्मीन अपना खुद का कुछ करना चाह रही थीं। पहले यह सिर्फ एक रचनात्मक शुरुआत थी, लेकिन जब उनके पति को एक जानलेवा बीमारी हो गई और वे दुबई से भारत लौट आए तो यास्मीन का व्यवसाय हीं उनके परिवार की आय का एकमात्र स्रोत बन गया। यास्मीन उन हजारों उद्यमियों और किसानों में से एक हैं जिन्हें भारत के घरेलू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने डिजिटल मार्केटप्लेस के माध्यम से वैश्विक बाजार से जुड़ने में मदद की है।

यास्मीन थोक विक्रेताओं से कपड़ा खरीदती हैं और इसे उन महिलाओं को देती हैं जो घर पर ही कढ़ाई का काम करती हैं। के सहयोग और कार्यक्रम के लाभों के कारण उन्हें सही सहायता, प्रशिक्षण और बाजार संबंधी जानकारी मिली, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

यास्मीन कहती हैं, यह सिर्फ बिक्री का मामला नहीं है, बल्कि यह सीखने का अवसर है कि एक व्यवसाय को लंबे समय तक कैसे बढ़ाया और बनाए रखा जाए।

Flipkart द्वारा पेश की गई सुविधाएं जैसे कैश ऑन डिलीवरी, नो-कॉस्ट EMI, आसान रिटर्न और PI भुगतान जैसी सेवाओं ने छोटे विक्रेताओं को एक बड़ी ग्राहक पहुंच दिलाई है। आपको बता दें कि आज फ्लिपकार्ट के प्लेटफॉर्म पर 14 लाख से अधिक विक्रेता हैं और यह 50 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है, जो इसके ग्राहक-केंद्रित इनोवेशन का परिणाम है।

MSMEs के लिए Flipkart का सहयोग: ई-कॉमर्स की सफलता का सबसे बड़ा कारण यह है कि यह हर तरह की जरूरतों के लिए समाधान प्रदान करता है। गुजरात के जिग्नेश जीवानी ने Flipkart के जरिए दो साल में अपना बिजनेस कई गुना बढ़ा लिया। वह कहते हैं, 'Flipkart हमें डेटा-ड्रिवन प्लानिंग उपलब्ध कराता है, जिससे हम बाजार के ट्रेंड्स को समझकर अपने स्टॉक और बिक्री को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं।

खरखौदा में तीसरा प्लांट स्थापित करने के लिए निवेश को मंजूरी

गर्व का पल, मारुति सुजुकी ने पहली बार किसी भारतीय को निदेशक मंडल में जगह दी

मुंबई, एजेंसी। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने इतिहास में पहली बार किसी भारतीय को अपने निदेशक मंडल में जगह दी है। कंपनी के बोर्ड में एक भारतीय नियुक्ति की गई है, जिसके कंधों पर नया प्लांट स्थापित करने की जिम्मेदारी होगी। कंपनी अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए हरियाणा में एक और यूनिट लगाने वाली है। इसके लिए पैसों की मंजूरी भी मिल चुकी है और जल्द ही यूनिट के निर्माण का काम शुरू होगा। मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने बताया कि मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल ने कंपनी के इतिहास में पहली बार एक भारतीय कर्मचारी को बोर्ड में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। मारुति सुजुकी के बोर्ड ने सुनील कक्कड़ को निदेशक कॉर्पोरेट योजना के रूप में नियुक्त किया है। गौरतलब है कि चेयरमैन भार्गव और पूर्व एमडी जगदीश खट्टर को सरकार ने बोर्ड में नियुक्त किया था न कि कंपनी की ओर से यह नियुक्ति हुई थी।

भार्गव ने कदम को कंपनी के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर बताकर कहा कि इससे सुजुकी जापान और मारुति सुजुकी के बीच उच्चतम स्तर पर बेहतर समन्वय बनेगा। इसके अलावा, मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने हरियाणा के खरखौदा में तीसरा प्लांट स्थापित करने के लिए

7,410 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है, जिसकी क्षमता प्रति वर्ष 2.5 लाख वाहनों तक होगी।

नए प्लांट से खरखौदा में क्षमता सालाना 7.5 लाख यूनिट तक पहुंचने की संभावना है और प्रस्तावित क्षमता साल 2029 तक जोड़ी जाएगी। मारुति सुजुकी के तीसरे संयंत्र की स्थापना का कारण बाजार की मांग में वृद्धि है, जिसमें निर्यात भी शामिल है। मारुति देश की सबसे ज्यादा कार बेचने वाली कंपनी है, जिसका निर्यात भी सबसे आगे है। मारुति ने साल 2024 में उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया था, जब मारुति ने सालाना 20 लाख से ज्यादा वाहनों का उत्पादन किया था। कंपनी के कुल उत्पादन में 60 फीसदी हिस्सेदारी हरियाणा स्थित यूनिट की थी, जबकि 40 फीसदी उत्पादन गुजरात स्थिति इकाइयों में किया गया था। कंपनी के मानेसर स्थित संयंत्र में भी 20 लाखवीं गाड़ी का उत्पादन किया गया, जो एक आर्टिगा कार थी।

शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि द्वारा नवोन्मेष आयोजन आज से

भोपाल, निप्र। शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी शोध शिखर - विज्ञान पर्व 2025 के चौथे संस्करण का आयोजन शुक्रवार से किया जा रहा है। आरएनटीयू परिसर में 28 मार्च एवं 29 मार्च को आयोजित यह आयोजन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को अपने अनुसंधान प्रस्तुत करने के साथ नवाचार, विज्ञान संचार और सतत विकास पर केंद्रित विचारों के आदान प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा। साथ ही इसमें इंडस्ट्री एकेडमिक कॉलेब्रेशन को प्रोत्साहित करने के लिए अवसर प्रदान किए जाएंगे।

जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को सौंपा 99 एफ404-इन20 का इंजन

नई दिल्ली। जीई एयरोस्पेस ने मंगलवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए 99 एफ404-इन20 इंजनों में से पहला इंजन सौंप दिया है। कंपनी ने इसे एचएएल के साथ चार दशक से जारी यमझौते में एक अहम हिस्सा बताया है। जीई एयरोस्पेस ने कहा कि यह डिलीवरी भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में उसकी प्रतिबद्धता दर्शाती है। इससे कंपनी के शेयरों में तेजी आने की उम्मीद है। एचएएल के शेयरों पर आज भी निवेशकों की नजरें रही। एफ404 इंजन फैमिली सैन्य विमानन के इतिहास में सबसे सफल इंजनों में से एक मानी जाती है। यह इंजन दुनियाभर में हजारों लड़ाकू विमानों को ताकत देता है। खासतौर पर भारत के तेजस के लिए डिजाइन किया गया एफ404-इन20 इस सीरीज का सबसे ज्यादा थ्रस्ट देने वाला इंजन है। इसमें हाई-फ्लो फैन, एडवांस्ड सिंगल-क्रिस्टल टरबाइन ब्लेड्स और विशेष रूप से तैयार किए गए कंपोनेंट्स शामिल हैं।

इंडसइंड बैंक आर्थिक घोटाले की सेबी कर रही अलग एंगल से जांच

मुंबई। इंडसइंड बैंक में हुए आर्थिक घोटाले को लेकर शेयर बाजार नियामक संस्था, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) अलग एंगल से जांच कर रही है। दरअसल, सेबी इंडसइंड बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संभावित इनसाइडर ट्रेडिंग की जांच कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसकी जानकारी घटनाक्रम से जुड़े दो लोगों ने दी। हाल ही में बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में सामने आई गड़बड़ी से शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इस मामले में सेबी ने इंडसइंड बैंक के पांच वरिष्ठ बैंक अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले ट्रेड के बारे में जानकारी मांगी है, उन्हें इसमें गड़बड़ी होने की जानकारी पहले से ही थी।

पिछले महीने ही निकाले गए थे 350 लोग

इंफोसिस में फिर 40 से अधिक कर्मियों की छंटनी

नई दिल्ली, निप्र। सॉफ्टवेयर दिग्गज इंफोसिस ने बुधवार को अपनी मैसूर शाखा से कम से कम 30 से 45 प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाल दिया। यह फैसला कंपनी की ओर से फरवरी में करीब 350 प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाले जाने के थोड़े समय बाद ही आया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

सॉफ्टवेयर दिग्गज इंफोसिस ने बुधवार को अपनी मैसूर शाखा से कम से कम 30 से 45 प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाल दिया। खबरों के अनुसार, ये प्रशिक्षु कथित तौर पर कंपनी के आंतरिक मूल्यांकन मानकों को पूरा करने में विफल रहे। प्रभावित प्रशिक्षु, जो फाउंडेशन स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा थे, उन्हें मॉक असेसमेंट और संदेह-समाधान सत्रों सहित अतिरिक्त तैयारी के लिए कई अवसर दिए गए थे। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, वे उत्तीर्ण होने के मानदंडों को पूरा नहीं कर पाए, जिसके कारण उन्हें बाहर कर दिया गया।

सूत्रों ने बताया कि बर्खास्तगी का यह फैसला कंपनी की ओर से फरवरी में करीब 350 प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाले जाने के थोड़े समय बाद ही आया है। इन प्रशिक्षुओं को नियुक्ति में काफी देरी का सामना करना पड़ा था, उन्हें काम पर रखे जाने से पहले 2.5 साल से अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी थी। ताजा छंटनी ने कंपनी के प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रथाओं, विशेष रूप से इसके प्रवेश-स्तर की प्रक्रिया से जुड़ी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अपने कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए जानी जाने वालीा इंफोसिस, आमतौर पर अपने नए कर्मचारियों के ऑनबोर्डिंग और कौशल विकास में महत्वपूर्ण संसाधनों का निवेश करती है। हालांकि, कंपनी के आंतरिक मूल्यांकन लगातार सख्त होते जा रहे हैं। और हाल ही में की गई छंटनियां इसी कारण से की गईं हैं। कंपनी ने ताजा छंटनी के बारे में फिलहाल कोई कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

सहकार टैक्सी योजना से ड्राइवरों से मिलेगी राहत

ओला, उबर की तरह कैब सेवा शुरू करने जा रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर 2024 में ओला, उबर के खिलाफ आईफोन तथा एंड्रॉयड यूजर से अलग-अलग किराया वसूले जाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद सरकार ने सहकार टैक्सी योजना शुरू करने की तैयारी की है। लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने इस योजना के बारे में जानकारी दी।

केंद्र सरकार अब ओला और उबर की तरह टैक्सी सेवा शुरू करने जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में एलान किया है कि सरकार ड्राइवरों को राहत देने के लिए सहकार टैक्सी योजना शुरू करने जा रही है। इसमें सहकारी समितियां दोपहिया, टैक्सी, रिक्शा और चार पहिया वाहनों को पंजीकृत करा सकेंगीं।

लोकसभा में योजना की जानकारी देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के ध्येय पर काम कर रही है। यह केवल एक नारा नहीं है। इसे जमीनी स्तर

पर लागू करने के लिए सहकारिता मंत्रालय पिछले साढ़े तीन साल से काम कर रहा है। जल्द ही आने वाले महीनों में एक बड़ी सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी। इसका ड्राइवरों को सीधा लाभ मिलेगा।

ओला, उबर के खिलाफ अलग-अलग किराया वसूलने की मिली थीं शिकायतें: दिसंबर 2024 में सरकार को शिकायत मिली थी कि कैब कंपनियां, विशेषकर उबर और ओला, आईफोन तथा एंड्रॉयड फोन का उपयोग करने वाले ग्राहकों से अलग-अलग किराया वसूल कर रही हैं। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने दोनों कंपनियों को नोटिस जारी किया था। आरोपों को खारिज करते हुए ओला ने कहा था कि कंपनी के पास सभी ग्राहकों के लिए एक समान मूल्य निर्धारण संरचना है। ओला ने एक बयान में कहा था कि समान सवारी के लिए उपयोगकर्ता के सेलफोन के ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर भेदभाव नहीं करते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हमने सीसीपीए को यह स्पष्ट कर दिया है, और हम इस संबंध में किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करेंगे।उबर के प्रवक्ता ने कहा था कि कंपनी सवार के फोन निर्माता के आधार पर कीमतें निर्धारित नहीं करती है। हम किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए सीसीपीए के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। जबकि उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा था कि सीसीपीए ने राइड बुक करने के लिए भिन्न मूल्य निर्धारण पर कैब एग्रीगेटर्स को नोटिस जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में पूर्व विधायक सलूजा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

गुना। गुना के पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सलूजा को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका लगा है। अदालत ने उनके फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले में सख्त फैसला सुनाते हुए उनकी पेंशन और अन्य सरकारी लाभों को वापस लेने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अब वह अपने नाम के आगे पूर्व विधायक भी नहीं लिख सकेंगे। यह फैसला 18 मार्च को सुनाया गया, जिसमें उन्हें किसी भी प्रकार के सरकारी लाभ के लिए अयोग्य ठहरा दिया गया। गुना विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। 2008 के विधानसभा चुनाव में राजेंद्र सिंह सलूजा ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भाग लिया था। भाजपा प्रत्याशी का नामांकन रद्द होने के बाद उन्हें भाजपा का समर्थन मिला और वह विधायक बन गए। चुनाव के दौरान उन्होंने खुद को अनुसूचित जाति के सांसी समुदाय से संबंधित बताते हुए जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर उन्हें आरक्षण का लाभ मिला। लेकिन बाद में उनकी जाति को लेकर सवाल उठे और कांग्रेस नेताओं ने उन पर आरोप लगाया कि वह सामान्य वर्ग से आते हैं और उन्होंने गलत तरीके से जाति प्रमाण पत्र बनवाया है। जांच के बाद 10 अगस्त 2011 को उनका जाति प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया गया।

फुले की जयंती पर वाहन रैली एवं चल समारोह 11 को

ग्वालियर। महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर शहर में वाहन रैली एवं चल समारोह निकलेगा। इस कार्यक्रम महात्मा ज्योतिबा फुले जन कल्याण समिति (फुले आर्मी) द्वारा 11 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष महेश कुशवाह ने कहा कि समाज में शिक्षा की ज्योति जलाने वाले समाज सुधारक महात्मा फुले की जयंती पर चल समारोह सुबह 10 बजे फुलबाग मैदान से प्रारंभहोकर जयेन्द्रगंज, पाटनकर बाजार, दौलतगंज, बाड़ा, हनुमान चौराहा, लक्ष्मीगंज होते हुए गोल पहाड़िया स्थित फुले प्रतिमा स्थल पर पहुंचेगा। इसमें इसमें पहली पंक्ति में महिलाएं चलेंगी, दूसरी में बुजुर्ग। तीसरी पंक्ति में घोड़े और बग्गी शामिल रहेंगी। चौथी पंक्ति में युवा और वाहन शामिल रहेंगे।

सामुदायिक एकता का संदेश देती है गोवर्धन पूजा-पं. मिश्रा

इन्दौर। नदी, पर्वत, वन, भूमि हमें अन्न जल देकर जीवन प्रदान करते हैं। इनकी सुरक्षा व संवर्धन करना हमारा कर्तव्य है। परमात्मा की हर लीला में जनकल्याण की भावना परिलक्षित होती है। भगवान ने गोवर्धन पूजन के माध्यम से हम संसारवासियों को यही संदेश दिया है। इंद्र के प्रकोप से बचाने के लिए वृंदावनवासियों को एकत्र कर सामुदायिक भावना व एकता के महत्व को प्रतिपादित किया। प्रेम के बंधन में बंधकर पूर्ण ब्रह्म परमात्मा ने प्रेम स्वरूप को स्थापित किया। यह बात सत्यदेव नगर में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 23 मार्च से जारी भागवत कथा के पंचम दिवस गुरुवार को भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए व्यास पीठ से पंडित कुलदीप मिश्रा ने कही।

गुड़ी पड़वा पर महाकाल के शिखर पर लहराएगा ब्रह्म ध्वज

मप्र के प्रमुख मंदिरों-संस्थानों पर भी लगाएंगे ध्वज, नीम जल से होगा बाबा का अभिषेक

उज्जैन ■ निसं

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा पर मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वज चढ़ाया जाता है। इस बार मुख्यमंत्री की ओर से प्रदान सूर्य चिन्ह वाला केसरिया ब्रह्म ध्वज मुख्य शिखर पर फहराया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के जिलों के प्रमुख मंदिरों व संस्थानों पर भी ब्रह्म ध्वज लगाएंगे।

हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा पर श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर ध्वज बदला जाता है। इस बार मंदिर के शिखर पर ब्रह्म ध्वज फहराया जाएगा। पिछले दिनों भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व मंत्रिपरिषद ने ब्रह्म ध्वज व विक्रम संवत पुस्तिका का लोकार्पण किया है। श्री महाकालेश्वर मंदिर के साथ ही प्रदेश के जिलों के प्रमुख मंदिर और प्रमुख शासकीय व अशासकीय संस्थानों में भी गुड़ी पड़वा पर ब्रह्म ध्वज लगाने की पहल की है। सम्राट विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा प्रमुख संस्थान को ब्रह्म ध्वज उपलब्ध कराया जाएगा।

शोधपीठ के निदेशक श्री राम तिवारी ने कहा कि विक्रम संवत ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान, अनुसंधान का महापर्व है। विक्रम संवत के दिन ब्रह्म ध्वज सभी जगह फहराया जाएगा। वहीं मप्र में मंदिर, निजी व सार्वजनिक स्थान जहां लोग अपने स्वप्रेरणा से लगाएं। यह ध्वज श्री महाकालेश्वर मंदिर पर स्थापित था। उस ध्वज को पं. सूर्यनारायण व्यास परिवार ने 65 वर्षों से सुरक्षित पूजा के स्थान पर रखा था तो उससे प्रेरणा लेकर इस ध्वज को निर्मित करने की पहल की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर ध्वज प्रस्थापित करने की पहल की जा रही है।

बाबा महाकाल का नीम मिश्रित जल से होगा अभिषेक

श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाराष्ट्रीयन पंचांग अनुसार सभी पर्व, त्योहार मनाए जाते हैं। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा गुड़ी पड़वा 30 मार्च को हिंदू नववर्ष का उत्सव भी परंपरा अनुसार मनाया जाएगा। सुबह भगवान महाकाल का नीम मिश्रित जल से अभिषेक होगा। शिखर पर नई ध्वज फहराई जाएगी। इसके बाद भोग आरती में श्री खंड व पूरणपोली का भोग भगवान को लगाया जाएगा। मंदिर के नैवेद्य कक्ष में गुड़ी आरोहण किया जाएगा। मंदिर में ग्वालियर पंचांग के अनुसार त्योहार मनाए जाते है। इसी दिन पंचांग पूजन भी किया जाएगा।

नये सत्र से पहले स्कूल और दुकानदारों की मनमानी पर लगाम, दो स्कूलों पर मामला दर्ज

ग्वालियर ■ निसं

स्कूल संचालकों की लूट को रोकने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आयोजित किए जा रहे पुस्तक मेला में दो स्कूल संचालकों को अपनी मनमानी भारी पड़ गई। निजी प्रकाशकों की किताबें जानबूझकर के उपलब्ध न कराकर मनमानी करने के मामले में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल महाराजपुरा और अमर पब्लिक स्कूल थाटीपुर के प्राचार्यों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

यह एफआईआर शिक्षा विभाग की ओर दर्ज कराई गई है, जिसमें कहा गया है कि स्कूलों द्वारा उनकी पुस्तकों की कोई सूची उपलब्ध नहीं कराई गई। साथ ही कई पुस्तकें भी उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं। शिकायत मिलने पर जब इनको नोटिस जारी किया गया तो संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। दो रोज पहले ही कलेक्टर ने स्कूल संचालकों को फटकार लगाई थी और स्कूलों को नोटिस भी जारी किए थे। अब जिला शिक्षा अधिकारी ने दो स्कूलों पर आपराधिक केस दर्ज कराया है। वहीं ग्वालियर कलेक्टर रुचिका सिंह का कहना है कि राज्य सरकार के आदेश के बाद, इस पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। जितना डिस्काउंट वेंडर्स दे सकते हैं, दे रहे हैं, लेकिन कई स्कूल और वेंडर्स में गठजोड़ समाने आ रहा है। वहां एक्शन लिया जा रहा है। शिक्षा विभाग की शिकायत पर पुस्तक मेला में दो स्कूल प्रबंधनों को मनमानी करने पर एमिटी इंटरनेशनल स्कूल और अमर पब्लिक स्कूल थाटीपुर के प्राचार्यों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर आरोप है कि इन्होंने निजी प्रकाशकों की पुस्तकों की कोई सूची उपलब्ध नहीं कराई। न ही पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं।

पानी से भरे पत्थर खदान में समाई ड्राइवर की जिंदगी, 30 घंटे बाद निकाला शव

छतरपुर ■ निसं

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में बुधवार की शाम एक बड़ा हादसा हो गया था। जिसमें बम्हौरी इलाके में एक गिट्टी से भरा डंपर खदान में गिर गया था। इस हादसे में ट्रक ड्राइवर मनोज पाल उसी डंपर के साथ पत्थर खदान में डूब गया था। परिजनों के लगातार हंगामा करने के बाद पुलिस ने गोताखोरों की मदद से 30 घंटे ने बाद युवक का शव बाहर निकाला।

जिले के प्रकाश बम्हौरी थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर 12ः00 बजे 50 फीट गहरी पत्थर खदान की खाई में अनियंत्रित होकर डंपर सहित ड्राइवर डूब गया था। ड्राइवर की पहचान 20 वर्षीय मनोज पाल के रूप में हुई। घटना के पहले दिन प्रशासन पानी की गहरी खाई में गिरे डंपर को बाहर निकालने का प्रयास करते रहे। लेकिन हाथ में कुछ नहीं लगा। वहीं दूसरे दिन गोताखोरों की मदद से डंपर को बाहर निकालने का प्रयास किया। जिसमें डूबे डंपर को गैस कटर की मदद से काटा गया और युवक के शव को बाहर निकाला।

घटना से गुस्साए परिजनों ने 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जब शव को बाहर नहीं निकाला गया तो उन्होंने चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। वहीं बाहर निकालने के बाद परिजनों ने मुआवजे को लेकर काफी देर तक हंगामा किया।

पुलिस की समझाइश के बाद जैसे-तैसे मामला थोड़ा शांत हुआ। इधर मामले की सूचना पर मौके पर स्थानीय विधायक एवं राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार पहुंचे। जहां वे करीब 6 घंटे मौजूद रहे। इस दौरान मंत्री ने कहा कि, परिजन को हर संभव मदद दिलाई जाएगी।

बता दें कि, ये घटना तब हुई जब ट्रक चढ़ाई पर था तभी अचानक उसका स्टेयरिंग फेल हो गया। और डंपर स्लिप होकर सीधा खदान में गिर गया। इस खदान में पहले से ही गहरा पानी भरा हुआ था। जिससे ट्रक और ड्राइवर का कुछ दो दिन तक कुछ पता नहीं चल सका। लेकिन 30 घंटे बाद उसका रेस्क्यू किया गया।

जबलपुर में संपत्तियों की रजिस्ट्री में बढ़ोतरी

जबलपुर। जबलपुर में 1 अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन में प्रस्तावित बढ़ोतरी से पहले संपत्तियों की रजिस्ट्री में जबरदस्त उछाल आया है। जिला पंजीयन कार्यालय ने लगभग 1400 स्थानों को चिह्नित कर नई गाइडलाइन का प्रस्ताव भेजा है। जिला पंजीयक पवन सिंह अहिरवार के अनुसार, इस वर्ष 26 मार्च तक 596 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है। पिछले वर्ष मार्च तक यह आंकड़ा 557 करोड़ था। 31 मार्च तक राजस्व साढ़े छह सौ करोड़ तक पहुंचने की संभावना है, जो अब तक का सर्वाधिक होगा। रजिस्ट्री की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सामान्य दिनों में जहां डेढ़ सौ से दो सौ रजिस्ट्री होती थीं, वहीं मार्च के अंतिम सप्ताह में यह संख्या बढ़कर साढ़े तीन सौ तक पहुंच गई है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिला पंजीयन कार्यालय ने कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर लोगों के बैठने की व्यवस्था की है। कार्यालय में एक अनूठी पहल करते हुए, रजिस्ट्री कराने आए लोगों के बच्चों को चॉकलेट भी दी जा रही है।

अग्नि सुरक्षा के तहत प्रशासन ने मारा छापा

आभूषण कारखाने से 27 घरेलू सिलिंडर जब्त, बाल श्रमिक मिले

इंदौर ■ निसं

शहर में अग्नि सुरक्षा अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है, क्योंकि पुराने बाजार क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों की कमी के कारण आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। जांच में सामने आया कि बाल श्रमिकों को बंगाल से लाया जाता है।

इंदौर की मोरसेली गली में प्रशासन की टीम ने छापा मार कार्रवाई की। यहां मेटल पिघलाकर आभूषण बनाने वाले कारखाने पर कई अनियमितताएं मिली। इस दौरान कारखाने से 27 घरेलू सिलिंडर जब्त किए गए। इसके अलावा इस क्षेत्र की पांच दुकानों में भी पर्याप्त सुरक्षा के इंतजाम नहीं पाए गए। इतना ही नहीं यहां बाल श्रमिक काम करते मिले हैं। टीम ने कार्रवाई करते हुए संचालक के खिलाफ केस भी दर्ज किया है।

बता दें कि प्रशासन ने %अग्नि सुरक्षा% के लिए शहर में अभियान चलाया हुआ है। शहर के पुराने इलाकों की छोटी गलियों में कारखाने संचालित होते हैं, लेकिन वहां सुरक्षा के इंतजाम नहीं होते हैं। हाल ही में क्लाथ मार्केट में छह दुकानों में आग लग गई थी। इससे पहले सराफा में भी एक मकान में आग लगने की घटना हो चुकी है।

बंगाल से लाया जाता है बाल श्रमिकों को

प्रशासन के छापेमारी में बाल श्रम का भी बड़ा मामला सामने आया है। यहां दुकान संचालक इन बाल श्रमिकों से खतरनाक काम कराते हैं। जैसे मेटल पिघलाने, तेजाब से धातु धोने का काम कराया जाता है। इन बच्चों को बंगाल से लाया जाता है और उनके माता-पिता को सालभर का पैसा इसके एवज में दिया जाता है। इस क्षेत्र में कई अन्य संस्थान हैं, जहां बाल श्रमिकों से काम कराया जा रहा है। प्रशासन अन्य क्षेत्रों की जांच भी करेगा और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

जमीन विवाद में फायरिंग के मामले में बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर में दो बदमाश गिरफ्तार, स्कॉर्पियो और नंबर प्लेट बरामद

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में चार दिन पहले झांसी हाईवे पर करोड़ों रुपए की जमीन को लेकर फायरिंग कर फरार हुए बदमाशों में से दो बदमाशों को मुखबिर की सूचना पर झांसी रोड थाना पुलिस ने गुरुवार देर रात शीतला माता हाईवे से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों से घटना में प्रयुक्त काले रंग की एक स्कॉर्पियो, दो नंबर प्लेट तथा चार नट बरामद किए हैं। पुलिस अब पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दो दिन की रिमांड पर लेगी।

बता दें कि घटना 25 मार्च रविवार रात लखनौती खुर्द अड्डुपुरा की है। सूचना मिलते ही झांसी रोड थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक सभी हमलावर भाग चुके थे। पुलिस मौके से कारतूस के खाली खोके लेकर लौट आई थी और फरियादी की शिकायत पर हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। जमीन मालिक ने जान को खतरा बताया था। घटना के समय बाइक और चार पहिया वाहन पर आए बदमाशों ने करीब 20 मिनट तक रुक रुक कर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थी।

जबलपुर में पुस्तक मेला : मिल रही हैं एनसीईआरटी तथा सीबीएससी कोर्स की किताबें

जबलपुर ■ निसं

स्कूली छात्रों को उचित दामों में कॉपी-किताब और अन्य सामान दिलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने पुस्तक मेले का आयोजन किया है। दस दिनों तक चलने वाले इस मेले में एनसीईआरटी तथा सीबीएससी कोर्स के संचालित स्कूलों की किताबें उपलब्ध हैं।

स्कूली छात्र-छात्राओं को उचित दाम में कॉपी-किताबें मिल सकें इस उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है। दस दिवसीय इस पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में अभिभावकों की भीड़ उमड़ रही है। पुस्तक मेले में यूनिफार्म, कॉपी-किताब तथा स्टेशनरी समान डिस्काउंट के साथ

मिल रहे हैं। प्रशासन द्वारा लगाए गए पुस्तक मेले में 57 दुकानें लगी हैं, जिसमें एनसीईआरटी तथा सीबीएससी कोर्स के संचालित स्कूलों की किताबें उपलब्ध हैं। निजी स्कूल तथा पुस्तक विक्रेता की मोनोपॉली तोड़ने में पुस्तक मेला कारगर साबित हो रहा है। इस पुस्तक मेले का आयोजन 25 मार्च से 5 अप्रैल तक किया जा रहा है। पुस्तक मेले में कॉपी-किताबें खरीदने के लिए डिस्काउंट के साथ उचित दाम में सामग्री मिलने के कारण लोग राहत महसूस कर रहे हैं।

केन्द्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले एक छात्र राजवीर सिंह के पिता राजेश्वर सिंह ने बताया कि मेले में उचित दाम में सामग्री मिल रही है।

लैंड पुलिंग योजना के विरोध में निकाली प्रभात फेरी

विधायक परमार के साथ झांझ-मंजीरे और ढोलक बजाते हुए निकले किसान

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में स्थायी कुम्भ नगरी बसाने को लेकर सरकार लैंड पुलिंग करने वाली है। इसके लिए किसानों की 50 प्रतिशत जमीन लेने का फैसला किया गया है। इस मुद्दे को लेकर गुरुवार को किसानों और कांग्रेस नेताओं की बैठक हुई थी। बैठक में आगे की रणनीति तैयार की गई थी। जिसके तहत शुक्रवार को कांग्रेस विधायक महेश परमार व अन्य कांग्रेसी नेता और किसानों ने ढोलक, झांझ-मंजीरे लेकर प्रभात फेरी निकाली। जिसमें किसान ढोल तो कांग्रेस विधायक झांझ बजाते नजर आए।

उज्जैन में सिंहस्थ कुम्भ की 2378 हेक्टेयर जमीन लैंड पुलिंग के माध्यम से किसानों से लेने की योजना को लेकर कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ प्रदर्शन कर रही है।

महाकाल के दर पर मुख्य सचिव अनुराग जैन

भगवान महाकालेश्वर के किए दर्शन, उज्जैन में सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा भी की

उज्जैन ■ निसं

मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भगवान महाकाल के दर्शन किया। उन्होंने संध्या आरती में शामिल होकर पूजा अर्चना की। इस दौरान वे भक्ति में लीन दिखाई दिए। मंदिर समिति ने सीएस अनुराग जैन का स्वागत भी किया। वहीं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर उन्होंने सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा भी की। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन गुरुवार को उज्जैन दौरे पर पहुंचे। इस दौरान वे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे और भगवान महाकाल की संध्या आरती में सम्मिलित हुए। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उज्जैन संभाग आयुक्त

संजय गुप्ता, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने अनुराग जैन का स्वागत और सत्कार किया गया।

उज्जैन में सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा की: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्य सचिव अनुराग जैन ने गुरुवार दोपहर सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर कार्यालय सभागृह में सिंहस्थ के प्रगतिरत कार्यों और सिंहस्थ कार्य योजना की समीक्षा की। अनुराग जैन ने सिंहस्थ कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि सभी विभाग निविदा स्वीकृत होने के 24 घंटे में एलओए जारी करें और निविदा के कार्य में भी तेजी लाए। मुख्य सचिव ने जल संसाधन विभाग के शिप्रा घाट निर्माण के निविदा कार्य में देरी होने के कारणों की जांच करने के निर्देश भी दिए।

निर्माणाधीन कार्यों का किया निरीक्षण

सीएस अनुराग जैन ने उज्जैन में मां क्षिप्रा को स्वच्छ, अविरल और प्रवहमान बनाने के लिए निर्माणाधीन सिलारखेड़ी डेम और कान्ह क्लोज़ डक्ट परियोजना के छायन में सेगमेंट बिछाने के कार्य का निरीक्षण भी किया। उन्होंने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम ने पूरा किया सर्वे 15 दिन बाद आएगी जीएफसी की टीम

भोपाल। भोपाल में स्वच्छता सर्वेक्षण (एसएस) की टीमों ने एक सप्ताह तक विभिन्न इलाकों का निरीक्षण करने के बाद गुरुवार को अपना सर्वे पूरा कर लिया। टीमों ने नगर निगम के जोन 15 और 21 में सुलभ शौचालय, बाजार क्षेत्र, पार्क, तालाब और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। इसके बाद वे वापस दिल्ली रवाना हो गईं। अब जल्द ही गारबेज फ्री सिटी (जीएफसी) की टीम भोपाल आएगी, जो शहर की सफाई व्यवस्था का फीडबैक लेगी। दिल्ली से आई एसएस टीम ने नगर निगम के सभी 21 जोनों के अंतर्गत आने वाले 85 वार्डों का सर्वे किया। सर्वे के दौरान शहर को पांच हिस्सों में बांटकर अलग-अलग टीमों ने सफाई व्यवस्था की जांच की। हर दिन टीम ने आनलाइन पोर्टल पर चिन्हित इलाकों का सर्वे किया और रिपोर्ट अपलोड की। सर्वे के दौरान भानपुर खंती, पार्क, फाउंटेन, सेंट्रल वर्ज, फुटपाथ, मार्केट एरिया, नाले, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, गारबेज ट्रांसफर स्टेशन और सुंदरीकरण कार्यों का जायजा लिया।
अब अगला चरण गारबेज फ्री सिटी (जीएफसी) सर्वे का होगा, जिसमें टीम प्रत्येक वार्ड के 10-10 स्थानों पर जाकर लोगों से सीधे फीडबैक लेगी। यह सर्वे 31 मार्च तक पूरे देश में पूरा किया जाएगा और उसके 15 दिन बाद जीएफसी टीमें मैदान में उतरेंगी। इस सर्वे के आधार पर अर्बन लोकल बाडी (यूएलबी) की रैंकिंग तय होगी। नगर निगम और सहयोगी एनजीओ ने दावा किया है कि भोपाल इस साल भी स्वच्छता में नंबर वन रहेगा, लेकिन अंतिम नतीजे सर्वे के बाद ही सामने आएंगे।

शादी का झांसा देकर लेफ्टिनेंट कर्नल महिला आरक्षक के साथ 13 साल तक किया दुष्कर्म

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के पुलिस मुख्यालय के अधीन आने वाली एक इन्वेस्टिगेशन विंग में पदस्थ एक महिला आरक्षक के साथ सेना में पदस्थ लेफ्टिनेंट कर्नल द्वारा दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी वर्ष 2012-2013 में महिला आरक्षक के संपर्क में आया था। इसके बाद ही उसने नजदीकी बनाई और नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। महिला आरक्षक जब नशे से बाहर आई तब उसे पता चला कि उसकी आबरू लूटी जा चुकी है तो उसने विरोध शुरू कर दिया। सेना के अधिकारी ने पीड़िता को शांत कराते हुए जल्दी ही शादी करने का झांसा दिया तो पीड़िता उसके झांसे में आ गई। आरोपी शादीशुदा होने के बाद खुद को कुंवारा बताकर शादी का झांसा दिया था। बाद में उसके शादीशुदा होने का पता चला तो आरोपी ने अपनी पत्नी का चरित्र खराब बताकर उससे जल्दी तलाक लेकर शादी का वादा कर महिला आरक्षक का शारीरिक शोषण करता रहा।

महिला थाना प्रभारी अंजना दुबे ने 45 वर्षीय महिला आरक्षक ने शिकायत में बताया है कि वर्ष 2012-2013 में वह आरोपी वरुण प्रताप सिंह के संपर्क में आई थी। आरोपी सिंह ने खुद को अविवाहित बताते हुए पीड़िता से नजदीकियां बढ़ाईं। इसी दौरान उसने नशीला पदार्थ पिलाकर महिला आरक्षक के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। बाद में उसने शादी का झांसा देते हुए पीड़िता का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया।

आरोपी जब भी भोपाल आता पीड़िता को जल्दी ही शादी करने की बात कहकर शारीरिक शोषण करता और चला जाता। इतना ही नहीं आरोपी ने शादी की कई बार खुद ही तारीख तय करके पीड़िता को बताता और उसके पहले तैयारी करने के बहाने भोपाल आता और शारीरिक शोषण करने के बाद चला जाता। इसके बाद वह कहता कि सैन्य अभियान और मौजूदा हालातों के चलते उसे लंबा अवकाश नहीं मिल पा रहा, इसलिए शादी कुछ माह बाद करेंगे। ऐसा उसने एक नहीं कई बार किया।

कुछ सालों से धमकी देकर कर रहा था दुष्कर्म

पीड़िता ने पुलिस को बताय कि आरोपी कुछ सालों पहले तक तो शादी की बात करता था, बाद में वह धमकी देकर शारीरिक शोषण करने लगा। इस बीच पीड़िता उसके संबंध में जानकारी जुटाई तो पता चला कि वह कई साल पहले शादी कर चुका है। इसके बाद पीड़िता ने जब उस पर दबाव बनाने का प्रयास किया तो उसने कहा कि पत्नी का चरित्र अच्छा नहीं है और मैं उससे तलाक लेने का प्रयास कर रहा हूं। तलाक लेकर जल्दी ही तुमसे शादी कर लूंगा। इस बीच पीड़िता ने जब शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती तो आरोपी वह डरा-धमकाकर दुष्कर्म करता। पुलिस ने डरा-धमकाकर दुष्कर्म करने सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी से मिलने सिलेक्ट हुई प्रदेश की 3 छात्राएं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

जगह- मप्र विधानसभा का मानसरोवर सभागार, पोडियम पर सीधी विधायक रीति पाठक अनाउंसमेंट करने वाली हैं। वे माइक से कहतीं हैं- मुझे आदेश मिला है कि सांत्वना पुरस्कार के लिए जो तीन नाम चयनित हुए हैं वे सबसे पहले घोषित किए जाएं। रीति दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा संसद की ज्यूरी मेंबर के तौर पर शामिल रहीं।

सांत्वना पुरस्कार के लिए पहला नाम है शिवपुरी की मंजरी शर्मा। घोषणा होते ही मंजरी छात्राओं के बीच से उठतीं हैं और खुशी से झूमने लगती है। मंजरी अपने हाथों से आंखों को ढंक लेती हैं। और मंच की तरफ बढ़तीं हैं।

फिर विधायक पाठक कहतीं हैं, सांत्वना पुरस्कार के लिए दूसरा नाम है देवास से भूमिका शर्मा। भूमिका का नाम घोषित होते ही छात्र नारे लगाते हैं फूल नहीं चिंगारी है ये भारत की नारी है। रीति आगे कहती हैं सांत्वना पुरस्कारों में अगला नाम है शहडोल से ओम तिवारी। नामों की घोषणा होते ही सभागार में करीब दो मिनट तक तालियां बजती रहतीं हैं। सांत्वना पुरस्कारों में थर्ड, सेकेंड के बाद फर्स्ट की घोषणा बॉटम टू टॉप की गई।

उल्टे क्रम में की घोषणा

विधायक रीति पाठक ने युवा संसद में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुए तीन युवा वक्ताओं में सबसे पहले थर्ड रैंक की केंडिडेट का नाम घोषित किया। रीति ने कहा- मैं पहला नाम जो तीसरे नंबर पर है वो घोषित करने जा रही हूं। वो नाम सतना से है राशि त्रिपाठी। अगला नाम भिंड से चलकर आ रहा है ये नाम है यति। पहला नाम इंदौर से निकलकर आया है सजल जैन का। छात्राएं मंच पर पहुंचीं और समापन समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक आशीष शर्मा, रीति पाठक, विधानसभा के पीएस एपी सिंह, सचिव अरविंद शर्मा, एनएसएस के राज्य अधिकारी डॉ मुकेश अग्निहोत्री, नेहरु युवा केन्द्र के राज्य अधिकारी राकेश सिंह तोमर से पुरस्कार हासिल किए। ग्रुप फोटो सेशन हुआ।

पहली बार दिशा की मीटिंग लेंगे भोपाल सांसद

- स्मार्ट सिटी, बिजली-स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे; 10 विभागों की समीक्षा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल सांसद आलोक शर्मा पहली बार शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की मीटिंग लेंगे। वे स्मार्ट सिटी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। कुल 10 विभागों के कामों की समीक्षा की जाएगी।

बैठक में जिन विभागों के कामों की समीक्षा होगी, उनके जिला अधिकारियों को बुलाया गया है। उन्हें पूरी जानकारी के साथ बुलाया गया है। जानकारी नहीं लाने या गायब रहने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगम कमिश्नर हरेंद्रनारायण यादव और जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी भी मौजूद रहेंगे।

भोपाल के गांवों में बिजली कनेक्शन काटने और पानी का बड़ा मुद्दा है। इसी मुद्दे पर गुरुवार को हुई जिला पंचायत साधारण सभा की मीटिंग में जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य विनय मेहर, फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत ने अफसरों पर जमकर नाराजगी जताई थी।

इन विभागों की समीक्षा होगी

बिजली कंपनी, जल संसाधन, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, आबकारी, प्रधानमंत्री सड़क योजना, कृषि, सामाजिक न्याय और शिक्षा विभाग की समीक्षा की जाएगी।

कर्मश्री का हिंदू नववर्ष उत्सवः कल भोपाल में कवि सम्मेलन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में शनिवार को ''कर्मश्री'' संस्था द्वारा आयोजित किए जाने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के रूप में हिंदू नववर्ष का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दीप प्रज्वलन कर करेंगे कवि सम्मेलन का शुभारंभ। यह आयोजन ''अटल पथ'' पर प्लैटिनम प्लाजा माता मंदिर, तात्या टोपे नगर में रात 8 बजे से शुरू होगा। कर्मश्री संस्था के अध्यक्ष और हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि हिंदू नववर्ष के अवसर पर यह कवि सम्मेलन हमेशा की तरह भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है। इस साल के आयोजन में देशभर के मशहूर कवि शामिल होंगे, जिनमें शशिकांत यादव शशि (देवास), पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (नई दिल्ली), डॉ. सुरेंद्र दुबे (रायपुर), कविता तिवारी (लखनऊ), डॉ. अनिल चौबे (वाराणसी) और कई अन्य प्रमुख कवि शिरकत करेंगे। इस कवि सम्मेलन में 30,000 से अधिक श्रोता शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव दीप प्रज्वलन कर करेंगे कवि सम्मेलन का शुभारंभ

विधायक शर्मा ने इस आयोजन का महत्व बताते हुए कहा कि इस साल का कवि सम्मेलन 25वां आयोजन है और इसे हर साल चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा और चैटी चांद जैसे अवसरों पर आयोजित किया जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य पूरे शहर को हिंदू नववर्ष के उल्लास में शामिल करना है। कार्यक्रम में महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष बैठक व्यवस्था की जाएगी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।